RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 249 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 09-04-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस का कटाक्षः 'पापा ने वार रुकवा दी' का क्या हुआ

6 चलो दिलदार चलो, चाँद के पार चलो

7 'भूत बंगला' फिर से तबू के साथ काम करने के लिए सही फिल्मः अक्षय कुमार

फर्स्ट टेक

कर्नाटक के चंद्रद्रोणा पहाड़ी पर ट्रेकिंग के दौरान केरल की एक छात्रा लापता

चिक्कमगलुरु (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के चंद्रद्रोणा पर्वत श्रृंखला में स्थित माणिक्यधारा जलप्रपात की यात्रा के दौरान केरल की कक्षा 10वीं की एक छात्रा लापता हो गयी, जिसके बाद तलाश अभियान शुरू किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि लड़की लगभग 40 रिश्तेदारों के एक समूह का हिस्सा थी, जो पलक्कड़ से आए थे। पुलिस के अनुसार, वह मंगलवार शाम लगभग साढ़े पांच बजे अपने परिवार के साथ जलप्रपात पर थी, तभी लापता हो गई। परिवार ने रात लगभग आठ बजे तक उसकी तलाश की और फिर अधिकारियों को सूचना दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस और वन विभाग के कर्मियों ने इलाके में तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि अभियान रात भर जारी रहा।

रुपया मजबूत होकर 92.54 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई/भाषा। अमेरिका एवं ईरान के बीच संघर्षविराम की घोषणा और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नीतिगत दरों को अपरिवर्तित रखने के फैसले से बुधवार को घरेलू मुद्रा को बल मिला और रुपया 52 पैसे की बढ़त के साथ 92.54 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी मुद्रा के संदर्भ में उठाए गए कदमों के कोई ढांचागत बदलाव नहीं होने को लेकर आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा द्वारा भरोसा दिलाने के बाद निवेशकों की कारोबारी धारणा को बल मिला। इसके अलावा, कुछ निजी बैंकों में हाल के घटनाक्रम के बावजूद, बैंकिंग प्रणाली के स्वास्थ्य पर भरोसा जताया गया। मल्होत्रा ने कहा कि एचडीएफसी बैंक की निगरानी जांच के दौरान आरबीआई को प्रशासन या आचरण से जुड़ा कोई मुद्दा नहीं मिला।

गुजरात के अमरेली जिले में 3.3 तीव्रता का भूकंप

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के अमरेली जिले में बुधवार को 3.3 तीव्रता का भूकंप आया और इस दौरान जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गांधीनगर स्थित भूकंपीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) के अनुसार, तड़के 3:58 बजे भूंकप आया। इसका केंद्र अमरेली से लगभग 42 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में 9.6 किलोमीटर की गहराई पर था। जिला आपातकालीन संचालन केंद्र के एक अधिकारी ने बताया कि जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। बीते 29 मार्च को भी शाम 4:10 बजे भूकंप का झटका महसूस किया गया था, जिसका केंद्र अमरेली से लगभग 42 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में 11.6 किलोमीटर की गहराई पर था।

अमेरिका, इजराइल और ईरान दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमत

युद्धविराम की घोषणा के कुछ घंटों बाद ही, ईरान और अरब देशों ने नए हमलों की सूचना दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेहरान/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरानी सभ्यता को मिटा देने की धमकियों से अंतिम समय में पीछे हटने के बाद ईरान, अमेरिका और इजराइल दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। लेकिन, घोषणा के कुछ घंटों बाद ही, ईरान और अरब देशों ने नए हमलों की सूचना दी।

यह स्पष्ट नहीं है कि हमलों से समझौता रद्द हो जाएगा या नहीं। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने समझौते को ''एक नाजुक युद्धविराम'' बताया।

फिलहाल समझौते की शर्तों के बारे में स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। यह भी पता नहीं है कि क्या इससे स्थायी शांति स्थापित हो सकती है, क्योंकि दोनों पक्षों ने शर्तों के संबंध में बिल्कुल अलग-अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत किए हैं।

ईरान ने कहा कि इस समझौते से उसे होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाने की नयी व्यवस्था को औपचारिक रूप देने की अनुमति मिल जाएगी, लेकिन समझौते की शर्तें स्पष्ट नहीं हैं। यह भी ज्ञात नहीं है कि कोई अन्य देश इस शर्त पर सहमत है या नहीं।

भारत ने युद्धविराम का स्वागत किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम का बुधवार को स्वागत किया और पश्चिम एशिया में दीर्घकालिक शांति सुनिश्चित करने के लिए ''तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति'' का आह्वान किया। भारत को होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए बिना किसी रोक-टोक के नौवहन और दुनिया भर में व्यापार होने की भी उम्मीद है। होर्मुज, फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच रणनीतिक रूप से अहम जलमार्ग है, जहां से दुनिया भर के करीब 20 प्रतिशत तेल और एलएनजी का परिवहन होता है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''हम युद्धविराम का स्वागत करते हैं और आशा करते हैं कि इससे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति स्थापित होगी। हम पहले भी कहते रहे हैं कि मौजूदा संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने के लिए तनाव कम करना, संवाद और कूटनीति आवश्यक हैं।''

ईरान संवर्द्धित यूरेनियम नहीं सौंपता है तो अमेरिका फिर से हमला कर सकता है : अमेरिकी रक्षा मंत्री हेगसेथ

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बुधवार को कहा कि अगर ईरान संवर्द्धित यूरेनियम नहीं सौंपता है तो अमेरिका फिर से हमला कर सकता है। हेगसेथ ने इस बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं दी कि क्या ईरान ने ट्रंप के उस बयान से सहमति जताई है, जिसमें कहा गया था कि अमेरिका दफन सामग्री को निकालने के लिए उनके साथ मिलकर काम करेगा। हालांकि, हेगसेथ ने कहा कि ईरान स्वेच्छा से इसे हमें दे देगा, अन्यथा अमेरिका पिछले साल इजराइल के साथ मिलकर किए गए हमलों की तरह ही ईरान के परमाणु स्थलों पर हमला कर सकता है। उन्होंने कहा, ''हम इस मौके का फायदा उठाएंगे।''

इजराइल ने मध्य बेरूत में कई हवाई हमले किए

कम से कम 89 लोगों की मौत

बेरूत/एपी। ईरान के साथ युद्ध-विराम की घोषणा के कुछ घंटों बाद इजराइल ने बुधवार दोपहर बिना किसी चेतावनी के मध्य बेरूत के घनी आबादी वाले कई आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्रों पर हवाई हमले किए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इन हमलों में कम से कम 89 लोग मारे गए और 700 से अधिक घायल हुए। इजराइल ने कहा कि ईरान के साथ हुआ युद्ध-विराम समझौता लेबनान में तेहरान के समर्थन वाले उग्रवादी समूह हिजबुल्ला के साथ उसकी लड़ाई पर लागू नहीं होता। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा कि लेबनानी उग्रवादी समूह हिजबुल्ला की वजह से लेबनान को युद्ध-विराम समझौते में शामिल नहीं किया गया गया। हालांकि, समझौते में मध्यस्थता करने वाले पाकिस्तान ने पहले कहा था कि ईरान युद्ध में दो हफ्ते के युद्ध-विराम के तहत इजराइल अपने हमले रोक देगा।

पश्चिम एशिया संघर्ष का बैंकिंग प्रणाली पर असर नहीं : आरबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को कहा कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात दिसंबर 2025 में घटकर दो प्रतिशत पर आ गया।

केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति रिपोर्ट के मुताबिक, बैंकिंग प्रणाली के लिए सकल एनपीए इससे एक साल पहले की समान अवधि में 2.5 प्रतिशत था। एनपीए से 90 दिनों से अधिक समय तक बकाया ऋण के अनुपात का पता चलता है।

पश्चिम एशिया संघर्ष के संभावित प्रभाव और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण होने वाले खर्चों पर आरबीआई ने कहा कि इस बारे में चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण उत्पन्न होने वाले किसी संभावित तनाव के बारे में पूछे गए सवाल पर आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, ''हम बैंकों की लाभप्रदता और सेहत के संबंध में कोई प्रणालीगत चिंता नहीं देख रहे हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा संकट के कारण कुछ विशेष क्षेत्र और हिस्से प्रभावित हो सकते हैं।

आरबीआई ने रेपो दर को यथावत रखा

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितता के बीच महंगाई बढ़ने के जोखिम को देखते हुए बुधवार को नीतिगत दर रेपो को उम्मीद के मुताबिक 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। आरबीआई ने इसके साथ सतर्कता बरतते हुए 'देखो और इंतजार करो' की नीति का रुख अपनाया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की छह अप्रैल से शुरू तीन-दिवसीय बैठक में लिए गए इन निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा, ''एमपीसी ने आम सहमति से रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखने का निर्णय किया है।''

दौरा

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बेंगलूरु स्थित सरकारी रक्षा कंपनी 'हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड' (एचएएल) का बुधवार को दौरा किया और हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच) 'प्रचंड' में अपनी पहली उड़ान भरी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जनरल द्विवेदी ने एचएएल में सैन्य विमानन परियोजनाओं की समीक्षा की और वहां विकसित की जा रही स्वदेशी 'एयरोस्पेस' क्षमताओं का जायजा लिया। सेना ने बताया कि सेना प्रमुख ने अपनी यात्रा के दौरान एलसीएच प्रचंड में उड़ान भी भरी, जिससे उन्हें इसके प्रदर्शन और युद्ध क्षमताओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ। जनरल द्विवेदी ने एक पायलट के साथ यह उड़ान भरी।

ओडिशा: पुरी जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार का दूसरा चरण शुरू

पुरी/भाषा। ओडिशा के पुरी जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की सूची तैयार करने का दूसरा चरण बुधवार को शुरू हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सेवकों, रत्न विशेषज्ञ और सुनारों की एक चयनित टीम ने रत्न भंडार समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ और श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के मुख्य प्रशासक अरबिंदा पाधी के साथ पूर्वाह्न 11:30 बजे पवित्र रत्न भंडार में प्रवेश किया। देवी-देवताओं के दैनिक उपयोग के आभूषणों की सूची तैयार करने का कार्य 48 वर्षों में पहली बार 25 मार्च को शुरू हुआ था। पाधी ने बताया, पहले चरण में, पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रक्रिया को वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी और 3डी मैपिंग के माध्यम से प्रलेखित किया गया।

कर्नाटक उपचुनावः

सिद्दरामय्या ने निर्वाचन आयोग पर 'भेदभाव' का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने निर्वाचन आयोग द्वारा दावणगेरे और बागलकोट जिलों में राज्य की गारंटी योजनाओं के बारे में विवरण मांगे जाने को लेकर उसपर 'दोहरे मापदंड' और 'भेदभाव' का आरोप लगाया है।

दावणगेरे और बागलकोट विधानसभा क्षेत्रों में बृहस्पतिवार को उपचुनाव हैं।

सिद्दरामय्या ने बुधवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया कि निर्वाचन आयोग ने कर्नाटक सरकार से इन दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में चल रही पांच गारंटी योजनाओं के तहत जारी की गई धनराशि के बारे में जानकारी मांगी है।

बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों में कल उपचुनाव हैं। ये उपचुनाव क्रमशः वरिष्ठ कांग्रेस विधायक एच वाई मेती और शमनूर शिवशंकरप्पा के निधन के कारण कराये जा रहे हैं।

राज्य में गृह ज्योति योजना के तहत प्रत्येक घर को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाती है। गृह लक्ष्मी के तहत परिवार की मुखिया महिलाओं को 2,000 रुपये दिए जाते हैं। अन्न भाग्य योजना के तहत गरीबी रेखा से नीचे के (बीपीएल) परिवारों के प्रत्येक सदस्य को प्रति माह 10 किलो चावल उपलब्ध कराया जाता है।

युवा निधि योजना के अंतर्गत बेरोजगार स्नातकों को 3,000 रुपये और 18-25 वर्ष की आयु के बेरोजगार डिप्लोमा धारकों को दो साल के लिए 1,500 रुपये दिए जाते हैं, जबकि शक्ति योजना के तहत महिलाएं कर्नाटक के भीतर सरकारी गैर-लक्जरी बसों में मुफ्त यात्रा कर सकती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा,''महाराष्ट्र और बिहार जैसे राज्यों में चुनाव से ठीक पहले नकद अंतरण योजनाओं की घोषणा की गई या उन्हें तेजी से लागू किया गया, जिससे मतदाताओं को सीधा लाभ हुआ। फिर भी निर्वाचन आयोग चुप रहा। यह तटस्थता नहीं, बल्कि मिलीभगत है।''

'भारत की अर्थव्यवस्था की नींव को नया आकार दे रही है मुद्रा योजना'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- पीएम मुद्रा योजना एक ऐसी आर्थिक विचारधारा को दर्शाती है जहां अवसर सुलभ हैं और पहलों को प्रोत्साहन दिया जाता है
- असली आर्थिक बदलाव हमेशा बोर्डरूम से शुरू नहीं होता। कभी-कभी, यह एक छोटे कर्ज, एक स्थानीय विचार और शुरुआत करने की हिम्मत से आता है।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि पीएम मुद्रा योजना ने रुकावटों को दूर करके और लोगों की आकांक्षाओं पर विश्वास करके पूरे भारत में उद्यमशीलता की भावना को मज़बूत किया है।

पीएम मुद्रा योजना के 11 साल पूरे होने पर, मोदी ने कहा कि इस योजना ने लाखों लोगों को सपने देखने का आत्मविश्वास और उन्हें पूरा करने के साधन प्रदान करके ऋण तक पहुंच को फिर से परिभाषित किया है।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर कहा, ''बाधाओं को दूर करके और जनता की आकांक्षाओं पर भरोसा जताकर, इस पहल ने पूरे भारत में उद्यमशीलता की भावना को मजबूत किया है।''

मोदी ने कहा कि पीएम मुद्रा योजना एक ऐसी आर्थिक विचारधारा को दर्शाती है जहां अवसर सुलभ हैं और पहलों को प्रोत्साहन दिया जाता है तथा हर सपने को साकार होने के लिए समर्थन मिल रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''मुद्रा योजना की परिवर्तनकारी क्षमता की एक झलक और इसने हमारी युवा शक्ति और नारी शक्ति पर किस प्रकार सकारात्मक प्रभाव डाला है।'' उन्होंने पीएम मुद्रा योजना पर 'माई जीओवी इंडिया' मंच के एक पोस्ट को भी साझा किया।

'माई जीओवी इंडिया' ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''असली आर्थिक बदलाव हमेशा बोर्डरूम से शुरू नहीं होता। कभी-कभी, यह एक छोटे कर्ज, एक स्थानीय विचार और शुरुआत करने की हिम्मत से आता है। मुद्रा योजना चुपचाप भारत की अर्थव्यवस्था की नींव को नया आकार दे रही है। बिना गारंटी के कर्ज देकर, इसने अनौपचारिक साहूकारों पर निर्भरता कम की है, वित्तीय समावेश को बढ़ाया है, और जमीनी स्तर पर ऋण अनुशासन को मजबूत किया है।''

सरकारी मंच ने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने 11 वर्षों से 'अंजलि मुद्रा' के रूप में काम किया है जो देश की उद्यमी ऊर्जा के लिए एक समर्पित पेशकश है।

इसने कहा, ''आकांक्षाओं और ऋण के बीच अंतराल को पाटते हुए इसने नौकरी की चाह रखने वाले 52 करोड़ से अधिक लोगों को उद्यमी बनाया है।''

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरुआत 2015 में हुई थी जिसका मकसद छोटे व्यापारियों को 10 लाख रुपए तक का ऋण देना और माइक्रो-फाइनेंस संस्थानों के लिए विनियामक के तौर पर काम करना है।

– फाइल फोटो

बचाव अभियानों के लिए

मानवरहित विमान विकसित करने की सरकार की योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने वायु सेना के लिए एक मानवरहित लड़ाकू तलाशी और बचाव विमान की डिजाइन तैयार करने और उसे विकसित करने पर विचार किया है, जिसका इस्तेमाल पायलट वाले विमानों को जोखिम में डाले बिना विमान कर्मियों को बचाने के मिशन में किया जा सके। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योजना के मुताबिक स्वदेशी स्वचालित यान एक ऐसा मंच भी होना चाहिए जिसे अग्रिम क्षेत्रों और दुर्गम भूभागों में साजो-सामान और दूसरी आपूर्ति के लिए तैनात किया जा सके, जिसमें बर्फीली ऊंचाई वाली जगहें भी शामिल हैं, जहां पारंपरिक हेलीकॉप्टरों को मुश्किल होती है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी) 2020 के तहत परिकल्पित इस परियोजना को ''सैद्धांतिक रूप से मंजूरी'' मिल गई है।

परियोजना की जानकारी रखने वाले एक और अधिकारी ने कहा कि इस कदम का मकसद रक्षा क्षेत्र में देश की 'आत्मनिर्भरता' को बढ़ावा देना और भारतीय वायु सेना की लड़ाकू तैयारी को मजबूत करना भी है।

पवन खेड़ा ने अग्रिम जमानत के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय का रूख किया

हैदराबाद/नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने असम सरकार द्वारा उनके खिलाफ दर्ज किए गए मामले में अग्रिम जमानत का अनुरोध करते हुए बुधवार को तेलंगाना उच्च न्यायालय का रुख किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी के खिलाफ आरोप लगाने पर खेड़ा के खिलाफ यह मामला दर्ज किया गया है। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख खेड़ा ने अपना आवासीय पता हैदराबाद में बताया है। उन्होंने उच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि गिरफ्तारी की स्थिति में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया जाए। खेड़ा की पत्नी तेलंगाना की हैं और हैदराबाद में उनका खुद का घर भी है।

09-04-2026 सूर्यास्त 6:31 बजे | 10-04-2026 सूर्योदय 6:10 बजे

BSE	NSE
77,562.90 (+2,946.32)	23,997.35 (+873.70)

सोना	चांदी
15,838 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	249,276 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मैं क्या बोलूं

मैं कहूं प्रेम से 'राम-राम' तो,
लगती उनको बात जफा* ।
मैं 'अल्ला हो अकबर' बोलूं,
तो अपने होते खफा-खफा ।
मैं 'वाहेगुरु' 'जीसस' बोलूं,
सब करते मुझको रफा-दफा।
मैं क्या बोलूं जिससे हो बस,
मेरे भारत का सिर्फ नफा।।

संत दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के अणुव्रत समिति के पदाधिकारियों ने बुधवार को मैसूरु में विराजित साध्वीश्री पावनप्रभाजी के दर्शन किए व आशीर्वाद लिया। समिति के सदस्यों ने साध्वीश्री के समक्ष समिति द्वारा किए जा रहे विविध सामाजिक एवं नैतिक जागरण के कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल, मंत्री लाभेश कांसवा, सहमंत्री सुरेश चावत तथा संगठन मंत्री निर्मल पोखरना आदि उपस्थित थे।

मुद्रा योजना उद्यमियों को सशक्त बनाएगी, विकसित भारत के लिए होगी सक्रिय भागीदार : वित्त मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ऐसे लोगों को वित्त उपलब्ध कराने पर केंद्रित है, जिन्हें ऋण नहीं मिला है। यह योजना उद्यमियों को सशक्त बनाना जारी रखेगी।

उन्होंने कहा कि इन उद्यमियों की 2047 तक राष्ट्र को 'विकसित भारत' बनाने की यात्रा में सक्रिय भागीदारी होगी।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) की 11वीं वर्षगांठ के अवसर पर सीतारमण ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने एक मौन बदलाव देखा है, जहां करोड़ों आम नागरिक नए आत्मविश्वास के साथ उद्यमिता के क्षेत्र में आगे आए हैं।

सीतारमण ने कहा कि इसके केंद्र में आठ अप्रैल, 2015 को प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई पहल पीएमएमवाई है, जिसका उद्देश्य ही 'जिन्हें ऋण नहीं मिला, उन्हें वित्त उपलब्ध कराना' था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने लाखों लोगों को सपने देखने के आत्मविश्वास और उन्हें पूरा करने के साधनों से सशक्त बनाकर ऋण तक पहुंच को फिर से परिभाषित किया है। बाधाओं को दूर करके और हमारे लोगों की आकांक्षाओं पर भरोसा करके, इसने पूरे भारत में उद्यम की भावना को मजबूत किया है।''

वित्त मंत्री ने कहा, ''11 साल बाद, यह योजना देश में एमएसएमई और अनगिनत व्यक्तिगत उद्यमियों के लिए ऋण

परिदृश्य को नया आकार देने में सहायक रही है। ये वे उद्यमी थे जो अब तक औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से बाहर थे। इस पहल के साथ, ऋण की बाधाओं को दूर करके उद्यमिता का वास्तव में लोकतंत्रीकरण हुआ है।''

लाखों लोगों को सशक्त बनाने और समावेशी विकास के दृष्टिकोण को पूरा करने में पीएमएमवाई की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर 57.79 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जिसके तहत 40.07 लाख करोड़ रुपए वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा, ''दो-तिहाई ऋण महिला उद्यमियों को स्वीकृत किए गए हैं। कुल कर्ज का लगभग पांचवां हिस्सा पहली बार उद्यमी बनने वाले व्यक्तियों को दिया गया। संख्या के हिसाब से देखें तो नए उद्यमियों को 12 लाख करोड़ रुपए की राशि के 12.15 करोड़ ऋण दिए गए हैं।''

वित्त मंत्री ने इस योजना को आम आदमी तक पहुंचाने और इसे बड़ी सफलता बनाने के लिए बैंकों, विभिन्न वित्तीय संस्थानों और हितधारकों की भी सराहना की।

इस अवसर पर वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि वित्तीय समावेशन सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है, क्योंकि यह समावेशी विकास हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पीएमएमवाई छोटे उद्यमियों को बैंकों, एनबीएफसी और एमएफआई से ऋण सहायता पाने के लिए एक मंच देता है।

उन्होंने कहा, ''इसने समाज के वंचित वर्गों सहित देश भर में स्वरोजगार के अवसर पैदा किए हैं। इनमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (कुल लाभार्थियों का 51 प्रतिशत) और महिलाएं (कुल लाभार्थियों का 67 प्रतिशत) शामिल हैं।''

मुद्रा योजना ने छोटे व्यापारियों, स्टार्टअप को मजबूत बनाया : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने 11 वर्षों में छोटे कारोबारियों और स्टार्टअप को बिना गारंटी ऋण देकर उन्हें मजबूत बनाया है और स्वरोजगार तथा छोटे उद्योगों को नई गति दी है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अमित शाह ने कहा कि मुद्रा योजना के 11 वर्षों में 58 करोड़

ऋण वितरित किए गए हैं, जिनकी कुल राशि 40 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। इससे 12 करोड़ युवाओं को लाभ मिला है और आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा को नई गति मिली है। उन्होंने कहा, मुद्रा योजना के 11 वर्षों में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बिना गारंटी ऋण देकर छोटे कारोबारियों और नए उद्यमों को सशक्त बनाया है, जिससे स्वरोजगार और छोटे उद्योगों को नई ताकत मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि हर तीन में दो मुद्रा ऋण महिलाओं को दिए जाना महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आठ अप्रैल 2015 को शुरू की थी। इसके जरिए बिना किसी गारंटी के 20 लाख रुपए तक का ऋण दिया जाता है।

खरगे ने गुजरात के लोगों को 'अशिक्षित' कहने पर खेद जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केरल में चुनाव प्रचार के दौरान गुजरात के लोगों को ''अशिक्षित'' कहने के लिए बुधवार को खेद प्रकट किया और कहा कि उनके मन में गुजराती जनता के प्रति बहुत सम्मान है।

खरगे ने रविवार को केरल में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान दिए गए भाषण में गुजरात के लोगों को 'अशिक्षित' बताया था और कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उन्हें 'बेवकूफ' बना रहे हैं। उन्होंने बुधवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हाल ही में केरल में दिए गए मेरे एक चुनावी भाषण की कुछ टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। फिर भी, मैं अपनी तरफ से जिम्मेदारी के साथ खेद व्यक्त करता हूं। गुजरात के लोगों के प्रति मेरे मन में सर्वोच्च सम्मान रहा है और हमेशा रहेगा। वहां के लोगों की भावनाओं को आहत करना मेरा कभी उद्देश्य नहीं था।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने केरल की चुनावी सभा में कहा, ''केरल के लोगों को गुमराह मत कीजिए। वे बहुत चतुर और शिक्षित हैं। मोदी जी, विजयन, आप दोनों गुजरात या अन्य जगहों के अशिक्षित लोगों को मूर्ख बना सकते हैं, लेकिन केरल के लोगों को मूर्ख नहीं बना सकते।''

खरगे की इस टिप्पणी पर पलटवार करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसे गुजरात और उत्तर भारत के लोगों का अपमान बताया था।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा था कि कांग्रेस अध्यक्ष को बताना चाहिए कि महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और गुजरात, उत्तर प्रदेश तथा उत्तर भारत के अन्य हिस्सों से आने वाले कांग्रेस के सभी प्रमुख नेताओं की ''बुद्धिमत्ता'' पर उनकी क्या रय है।

गोवा नाइटक्लब घटना : ईडी ने 17 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गोवा स्थित उस नाइट क्लब के प्रवर्तकों के खिलाफ धनशोधन की जांच के तहत 17.45 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को कुर्क किया है, जहां दिसंबर 2025 में आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। संघीय जांच एजेंसी ने धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 'बर्च बाय रोमियो लेन' क्लब के खिलाफ कार्रवाई की।

ईडी ने एक बयान में कहा कि गोवा के अरपोरा स्थित प्रतिष्ठान (बर्च बाय रोमियो) के अवैध संचालन से संबंधित जारी जांच के सिलसिले में 17.45 करोड़ रुपए मूल्य की अचल संपत्तियों को कुर्क करने का एक अंतरिम आदेश जारी किया गया। इसमें कुर्क की गई संपत्तियों के मालिकों का उल्लेख नहीं किया गया है।

जनवरी में, एजेंसी ने क्लब के प्रवर्तकों – गौरव और सौरभ लूथरा – और कई अन्य लोगों के खिलाफ गोवा, दिल्ली और हरियाणा में छापेमारी की थी। गौरव और सौरभ लूथरा भाई हैं। गोवा के अरपोरा गांव स्थित नाइट क्लब में छह दिसंबर, 2025 को एक डांस पार्टी के दौरान भीषण आग लग गई। इस घटना में 25 लोगों की मौत हो गई और लगभग 50 लोग घायल हो गए थे।

अमेरिका-ईरान युद्धविराम के बाद सोना और चांदी के दाम में जबर्दस्त तेजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका और ईरान के दो हफ्ते के युद्धविराम पर सहमत होने के बाद मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतें 11,000 रुपए बढ़कर 2.51 लाख रुपए प्रति किलोग्राम हो गईं, जबकि सोना बढ़कर 1.56 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि चांदी की कीमत मंगलवार के बंद स्तर 2,40,000 रुपए प्रति किलोग्राम से 11,000 रुपए यानी लगभग पांच प्रतिशत बढ़कर 2,51,000 रुपए प्रति किलोग्राम (सभी कर मिलाकर) हो गई।

वहीं, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 3,200 रुपए यानी 2.09 प्रतिशत बढ़कर 1,56,400 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी कर समेत) हो गया। पिछले बाजार सत्र में यह 1,53,200 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

विश्लेषकों ने कहा कि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने से सर्राफा कीमतें मजबूत हुईं, जिससे वैश्विक वित्तीय बाजार में बड़ी राहत वाली तेजी शुरू हुई।

अमेरिका-ईरान युद्धविराम : कच्चे तेल में नरमी से सेंसेक्स 2,946 अंक चढ़ा

मुंबई/भाषा। स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को जोरदार तेजी आई और बीएसई सेंसेक्स 2,946 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 24,000 अंक के करीब पहुंच गया। पश्चिम एशिया में दो सप्ताह के युद्ध विराम की घोषणा से वैश्विक बाजारों में तेजी और कच्चे तेल के दाम में नरमी से घरेलू बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

व्यापारियों ने कहा कि आरबीआई के नीतिगत दर रेपो को यथावत रखने का निर्णय, सभी क्षेत्रों में भारी लिवाली और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में मजबूती से भी निवेशकों की धारणा में सुधार आया है। बाजार में लगातार पांचवें दिन तेजी रही। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 2,946.32 अंक यानी 3.95 प्रतिशत बढ़कर 77,562.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 3,018.96 अंक चढ़कर 77,635.54 अंक पर पहुंच गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 873.70 अंक यानी 3.78 प्रतिशत बढ़कर 23,997.35 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 901.5 अंक चढ़कर 24,025.15 अंक पर पहुंच गया था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 13.89 प्रतिशत टूटकर 94.09 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 47 पैसे मजबूत होकर 92.59 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। सेंसेक्स मंगलवार को 509.73 अंक बढ़कर 74,616.58 अंक पर बंद हुआ था जबकि निफ्टी 155.40 अंक की तेजी के साथ 23,123.65 अंक पर रहा था।

फरीदाबाद में बनी कृत्रिम झील में दिल्ली के 21 वर्षीय युवक की डूबने से मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फरीदाबाद/भाषा। दिल्ली का रहने वाला 21 वर्षीय एक युवक यहां सिरोही इलाके में एक कृत्रिम झील में अपने दोस्तों के साथ नहाते समय डूब गया। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने दिल्ली के बसंत गांव निवासी अभिषेक का शव बरामद कर बादशाह खान सिविल अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा दिया है। उन्होंने मृतक के परिवार से संपर्क किया है।

पुलिस के अनुसार, अभिषेक और उसके चार दोस्त मंगलवार को दोपहर करीब 3:30 बजे साइकिल से झील पर पहुंचे थे। जब वे लोग झील में डुबकी लगा रहे थे, तभी अभिषेक गहरे पानी में चला गया।

युवकों ने मदद के लिए आवाज लगाई, लेकिन सहायता पहुंचने से पहले ही अभिषेक डूब गया।

सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद देर शाम तक उन्होंने व्यक्ति का शव पानी से बाहर निकाला। उसे तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया, मृतक एक निजी कंपनी का कर्मचारी था। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए मुर्दाघर में रखा गया है। उसके परिवार को सूचित कर दिया गया है।

फरीदाबाद में कई कृत्रिम और मानव निर्मित झीलें हैं। इन झीलों में, विशेषकर डेथ वैली में स्थित झीलों में, स्नान करना सख्त मना है। पर्यटकों को सलाह दी जाती है कि वे क्षेत्र के नज़ारों का आनंद लें, लेकिन इन झीलों में न तैरें। अधिकारी ने कहा, फिर भी, लोग अपनी जान जोखिम में डालते हैं।

अदालत के पास यह तय करने का अधिकार है कि किसी धर्म में कौन सी प्रथा अंधविश्वास है: न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि उसके पास यह तय करने का अधिकार है कि किसी धर्म में कौन-सी प्रथा अंधविश्वास पर आधारित है।

अदालत ने यह टिप्पणी केंद्र सरकार की इस दलील के जवाब में की कि धर्म से जुड़े मामलों पर फैसला करना अदालत के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता, क्योंकि न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ होते हैं, धर्म के नहीं। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ केरल के शबरिमला मंदिर समेत धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के प्रवेश से जुड़े कथित भेदभाव और विभिन्न धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है।

सुनवाई की शुरुआत में केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सवाल किया कि अदालत यह कैसे तय करेगी कि कोई प्रथा अंधविश्वास पर आधारित है। उन्होंने कहा, मान लें कि कोई प्रथा अंधविश्वास पर आधारित है, तब भी यह तय करना अदालत का काम नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत यह काम विधायिका का है कि वह सुधार के लिए कानून बनाए।

मेहता ने कहा कि संसद या राज्य विधानसभाएं किसी प्रथा को अंधविश्वास मानकर उसके खिलाफ कानून बना सकती हैं, जैसे काला जादू रोकने से जुड़े कानून।

इस पर न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्ला ने कहा कि यह दलील बहुत सरल है, क्योंकि अदालत के पास यह तय करने का अधिकार है कि कोई प्रथा अंधविश्वास पर आधारित है या नहीं।

यमुना की सफाई और वायु प्रदूषण से निपटना सरकार की 'समझौता न करने वाली प्राथमिकता': उपराज्यपाल संधू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने यमुना की सफाई और वायु प्रदूषण से निपटने को 'समझौता न करने वाली प्राथमिकता' बताते हुए बुधवार को कहा कि सरकार पल्ला से कालिंदी कुंज तक के नदी के समूचे बाढ़ क्षेत्र के समयबद्ध विकास की दिशा में काम कर रही है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ नदी के वासुदेव घाट और यमुना बाजार घाट का निरीक्षण करने के बाद उपराज्यपाल ने यह भी कहा कि वासुदेव घाट, असिता, बनसेरा और यमुना जैव विविधता पार्क जैसे विकसित घाट अब पर्यावरण-अनुकूल, सतत और हरित सार्वजनिक स्थलों के रूप में उभर चुके हैं।

संधू और गुप्ता ने सरकार की ग्रीष्म और मानसून संबंधी तैयारियों का जायजा लिया।

इस दौरे के दौरान, संधू ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को पल्ला से कालिंदी कुंज तक फैले बाढ़ क्षेत्र के संपूर्ण क्षेत्र के पुनरुद्धार का कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर करने का निर्देश दिया। राष्ट्रीय राजधानी में नदी का यह संपूर्ण क्षेत्र लगभग 55 किलोमीटर लंबा है।

उन्होंने कहा कि ये पुनर्विकसित घाट दिल्ली के लोगों को नदी के करीब ला रहे हैं और यमुना के प्रति अपनेपन की भावना को बढ़ावा दे रहे हैं।

संधू ने कहा, भविष्य में सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर वैश्विक स्तर पर सफल सर्वोत्तम प्रथाओं और नवीन समाधानों को इन महत्वपूर्ण पहल में शामिल करे।

ब्याज दरें मध्यम से लंबी अवधि में कम बने रहने का अनुमान: आरबीआई गवर्नर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को भरोसा जताया कि मुद्रास्फीति की अनुकूल स्थिति को देखते हुए ब्याज दरें मध्यम से लंबी अवधि में नीचे बनी रहेंगी। मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद संवाददाताओं से कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अत्यंत मजबूत है और इसमें बाहरी झटकों या प्रतिकूल परिस्थितियों से उबरने की जबरदस्त क्षमता है। उन्होंने कहा कि देश की बुनियादी आर्थिक स्थिति बेहतर है, जिसके कारण वृद्धि को गति मिल रही है और कीमतों पर दबाव भी कम है।

गवर्नर ने कहा, इस बात की पूरी संभावना है कि अल्पावधि से मध्यम अवधि में भी ब्याज दरें कम बनी रहेंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि मौद्रिक नीति की समीक्षा करते समय अमेरिका और ईरान के बीच हुए दो सप्ताह के युद्धविराम को भी ध्यान में रखा गया है। आरबीआई की तरफ से रेपो दर में की गई कुल 1.25% की कटौती के मुकाबले बैंकों ने ऋण दरों में 0.90% और जमा दरों में 3% से अधिक की कटौती की है, जो कि संतोषजनक है। रेपो दर और मुद्रास्फीति के बीच का अंतर (वास्तविक ब्याज दर) वर्तमान में 2% के उच्च स्तर पर है। पश्चिम एशिया संघर्ष का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसका देश की ऋण वृद्धि पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा और वर्तमान में बैंकिंग प्रणाली में दिए गए कर्जों के डूबने या उनके फंसे हुए ऋण बनने को लेकर कोई जोखिम नहीं है।

रुपए में अत्यधिक सट्टेबाजी से आया उतार-चढ़ाव, नियामकीय कदम अस्थायी: : आरबीआई ने बुधवार को कहा कि पिछले पखवाड़े में रुपए की कीमत में आए तेज उतार-चढ़ाव के पीछे 'अत्यधिक सट्टेबाजी' एक बड़ी वजह रही, जिसके चलते उसे विदेशी मुद्रा बाजार में कुछ अप्रत्याशित कदम उठाने पड़े। गवर्नर ने यहां द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा बाद एक संवाददाता सम्मेलन में स्पष्ट किया कि रुपए को संभालने के लिए उठाए गए ये कदम स्थायी नहीं हैं। मल्होत्रा ने कहा, मार्च के अंतिम हफ्तों में हमने विदेशी मुद्रा बाजार में बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं। ये उपाय खास बाजार परिस्थितियों को देखते हुए उठाए गए हैं।

नीतिगत निर्णय में ईरान युद्धविराम को ध्यान में रखा गया : आरबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम को सुखद समाचार बताया और कहा कि कुछ ही घंटों बाद लिए गए नीतिगत निर्णय में इसे ध्यान में रखा गया।

मल्होत्रा ने नीतिगत समीक्षा के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''सुबह साढ़े पांच बजे हमें कुछ सुखद समाचार मिले, जो शायद पूरी तरह से आश्चर्यजनक नहीं थे।'' उन्होंने आगे कहा, ''युद्धविराम को कुछ हद तक ध्यान में रखा गया है। इसके पूर्ण प्रभाव का आकलन बाद में होगा, लेकिन मौद्रिक नीति के निर्णय में युद्धविराम को शामिल किया गया है।'' हालांकि, यह एक पूर्व-निर्धारित समीक्षा थी, लेकिन युद्धविराम की खबर के बाद दुनिया के किसी भी केंद्रीय बैंक द्वारा लिया गया ऐसा पहला फैसला है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए रिजर्व बैंक की यह पहली नीतिगत घोषणा है।

निर्वाचन आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस पर निर्वाचन आयोग के पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए, आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि यह कहने की भी जरूरत नहीं है कि चुनाव निकाय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अधीन काम कर रहा और उससे सीधे निर्देश ले रहा।

निर्वाचन आयोग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था, ''निर्वाचन आयोग की तृणमूल कांग्रेस को दो टूक : इस बार पश्चिम बंगाल में चुनाव भय रहित, हिंसा रहित, धमकी रहित, प्रलोभन रहित, छापा रहित, 'बूथ एवं सोर्स जामिंग' रहित होकर ही रहेंगे।''

केजरीवाल ने इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''अब यह कहने की भी जरूरत नहीं कि निर्वाचन आयोग सीधे भाजपा से निर्देश लेकर और भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। ये अब जग जाहिर है और बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।''

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने पोस्ट में कहा, ''कम से कम ऐसी भाषा के ट्वीट करके इतनी अहम संस्था की इज्जत तो सरेआम मत उछालिए।''

इससे पहले, तृणमूल कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल और निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ के बीच बुधवार को हुई बैठक तनावपूर्ण माहौल में समाप्त हुई। तृणमूल ने आरोप लगाया कि सात मिनट की बैठक के अंत में आयोग के प्रमुख ने उनसे यहां से चले जाइए कहा, जबकि आयोग ने तृणमूल नेताओं पर चिल्लाने का आरोप लगाया।

अंतरिक्ष में सफलता के लिए मिशन संचालन महत्वपूर्ण : नारायणन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने बुधवार को मिशन संचालन के महत्व पर प्रकाश डाला और इसे भारत के विस्तारित अंतरिक्ष कार्यक्रम की कुंजी बताया। वह तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन स्पेसक्राफ्ट मिशन ऑपरेशंस (एसएमओपीएस-2026) में वैज्ञानिकों, उद्योग विशेषज्ञों और छात्रों को संबोधित कर रहे थे। इसका विषय था 'स्मार्ट और टिकाऊ अंतरिक्ष मिशन प्रबंधन के लिए नवाचारपूर्ण संचालन अगली पीढ़ी'। नारायणन ने कहा, मिशन संचालन महत्वपूर्ण हैं, खासकर लंबी अवधि वाले मिशन के लिए। यह एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है।

रोस्कोस्मोस, जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएएक्सए), यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) और फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी, सेंटर नेशनल डी'एट्यूड्स स्पैटियल्स (सीएनईएस) समेत प्रमुख वैश्विक अंतरिक्ष एजेंसियों के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए, इसरो प्रमुख ने कहा कि यह सम्मेलन एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि इसने अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञता, स्टार्टअप और व्यापक अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र को एक साझा मंच पर एक साथ लाया है। उन्होंने कहा, यह महज एक सम्मेलन नहीं है बल्कि यह कई देशों, विशेषज्ञों, स्टार्टअप और इससे संबंधित भागीदारों की भागीदारी के साथ एक बहुत बड़ा वैश्विक आयोजन है। नारायणन ने 'चंद्रयान-3' मिशन की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट ऐतिहासिक लैंडिंग निरंतर टीम वर्क और परिचालन सटीकता का परिणाम थी। उन्होंने मिशन नियंत्रण में वरिष्ठ वैज्ञानिकों के नेतृत्व और निरंतर भागीदारी को श्रेय देते हुए कहा कि महत्वपूर्ण चरण के दौरान उनका योगदान अपरिहार्य रहा।

इसरो प्रमुख ने 'चंद्रयान-2' मिशन के बाद सामने आई चुनौतियों को भी याद करते हुए कहा कि बाद की सफलता ने भारत की तकनीकी क्षमता को प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा, चंद्रयान-2 की आंशिक विफलता के बाद चंद्रयान-3 को त्रुटिहीन होना ही था। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि को वैश्विक मान्यता मिली है। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की 1962 में स्थापना के बाद से हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए, नारायणन ने कहा कि देश ने प्रक्षेपण यानों, वैज्ञानिक अन्वेषण और उपग्रह संचालन समेत विभिन्न प्रकार के मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया है। उन्होंने कहा कि जहां रॉकेट थोड़े समय के लिए काम करते हैं, वहीं अंतरिक्ष यानों को कई वर्षों तक निरंतर निगरानी और नियंत्रण की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा, एक रॉकेट केवल 15 से 25 मिनट तक ही काम करता है, लेकिन अंतरिक्ष यान को कक्षा में स्थापित करने के लिए उसे अत्यधिक ऊर्जा उत्पन्न करनी पड़ती है। हालांकि, अंतरिक्ष यान को वर्षों तक - कभी-कभी दो से 15 वर्षों तक - काम करना पड़ता है। इसरो अध्यक्ष ने कहा कि आदेशों के क्रियान्वयन में मामूली सी भी गलती पूरे मिशन को खतरे में डाल सकती है। नारायणन ने मिशन संचालन में बदलाव लाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और क्लाउड-आधारित प्रणालियों जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के महत्व पर जोर दिया।

प्रियांक खरगे ने कांग्रेस अध्यक्ष की 'जहरीला सांप' वाली टिप्पणी का बचाव किया

असम के मुख्यमंत्री पर निशाना साधा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ दिए गए बयानों पर आपत्ति जताई। उन्होंने सरमा पर गैर-जिम्मेदाराना और जाति-आधारित टिप्पणियां करने का आरोप लगाया। प्रियांक खरगे ने अपने पिता मल्लिकार्जुन खरगे की विवादास्पद 'जहरीला सांप' वाली टिप्पणी का भी बचाव किया। उन्होंने बेंगलूरु में मीडिया को संबोधित करते हुए दावा किया कि भाजपा नेताओं में जातिगत विशेषाधिकार की भावना गहरी जड़ें जमा चुकी है। उन्होंने इसका श्रेय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रभाव को दिया।

खरगे ने आरोप लगाया कि आरएसएस से जुड़ने के बाद सीएम सरमा के विचार बदल गए हैं। इसी तरह की वैचारिक ट्रेनिंग ने उनके बयानों को आकार दिया है। असम के मुख्यमंत्री ब्राह्मण समुदाय से आते हैं। उन्हें सामाजिक विशेषाधिकार प्राप्त है, जिसके कारण, उन पर कोई आलोचना असर नहीं करती। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सरमा द्वारा दलितों और हाशिए पर पड़े समुदायों के नेताओं के खिलाफ दिए गए बयानों के लिए उनसे पर्याप्त जवाबदेही नहीं मांगी जाती। खरगे ने आरएसएस पर 'चातुर्वर्ण' मानसिकता को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया और दावा किया कि जो लोग ऐसी विचारधारा पर सवाल उठाते हैं, उन्हें अक्सर निशाना बनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि भाजपा नेता विवादास्पद बयान देते समय खुद को 'परिपक्व समुदायों' का प्रतिनिधि बताते हैं, लेकिन वे 'चातुर्वर्ण' मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाते। प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए खरगे ने पूछा कि क्या वे सरमा के बयानों का बचाव करेंगे? उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्यसभा में विपक्ष के नेता को एक मौजूदा मुख्यमंत्री द्वारा निशाना बनाया जा रहा है। अपने पिता की पिछली टिप्पणी का बचाव करते हुए प्रियांक ने स्पष्ट किया कि मल्लिकार्जुन खरगे की 'जहरीला सांप' से निपटने वाली टिप्पणी एक रूपक थी, जिसका आशय समाज में नफरत फैलाने वाली विचारधाराओं से था। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या ऐसी विचारधाराओं को बढ़ावा दिया जाना चाहिए या उनका विरोध किया जाना चाहिए? भाजपा और आरएसएसएस की विचारधाराएं समाज के विभिन्न वर्गों (जिनमें अल्पसंख्यक, पिछड़े वर्ग, दलित, आदिवासी और महिलाएं शामिल हैं) की प्रगति और विकास के लिए हानिकारक हैं। उन्होंने दावा किया कि ऐसी विचारधाराओं में संविधान के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि आरएसएस 'मनु स्मृति' के सिद्धांतों में विश्वास रखता है, जबकि कांग्रेस संविधान के साथ खड़ी है। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा आरएसएस को बढ़ावा क्यों देती रहती है? उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए कहा कि इस संगठन को अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए किसी राजनीतिक समर्थन की जरूरत नहीं है।

सोमवार को असम के श्रीभूमि जिले में एक चुनावी रैली के दौरान, खरगे ने कुरान का हवाला देते हुए कहा था कि अगर किसी के सामने से कोई जहरीला सांप गुजर रहा हो, भले ही वह नमाज पढ़ रहा हो, तो उसे नमाज छोड़कर उस जहरीले सांप को मार देना चाहिए। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा था कि मैं कहूंगा कि नमाज तोड़ने से कोई फर्क नहीं पड़ता। आरएसएस और भाजपा ही वह जहरीला सांप हैं। वहीं, असम के मुख्यमंत्री सरमा ने असम के जोरहाट में पत्रकारों को संबोधित करते हुए खरगे पर तीखा हमला बोला था।

खरगे अपनी जुबान पर काबू रखें : चलुवाली नारायणस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनके बेटे प्रियांक खरगे के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी ने मोर्चा खोल दिया है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलुवाली नारायणस्वामी ने मल्लिकार्जुन खरगे के बयानों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उनकी मानसिक स्थिति पर सवाल उठाए हैं। मल्लेश्वरम स्थित बीजेपी प्रदेश कार्यालय 'जगन्नाथ भवन' में मीडिया से बात करते हुए नारायणस्वामी ने कहा कि खरगे को अपनी मर्यादा में रहना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि खरगे एक राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष कम और 'धमकाने वाले' ज्यादा लग रहे हैं। नारायणस्वामी ने कहा, उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं लग रही है। बीजेपी और आरएसएस के खिलाफ उनके भड़काऊ बयान बेहद निंदनीय हैं और पूरा देश इसके लिए उन्हें कोस रहा है।

नारायणस्वामी ने कर्नाटक के नए 'हेट स्पीच और हेट क्राइम प्रिवेंशन बिल' का हवाला देते हुए कहा कि खरगे के बयान सीधे तौर पर हिंसा को उकसाने वाले हैं। उन्होंने बताया कि बीजेपी ने इस संबंध में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा किबाप-बेटे के दिमाग में जहरीले सांप से भी ज्यादा जहर भरा है। केंद्र सरकार को मल्लिकार्जुन और प्रियांक खरगे दोनों को तिहाड़ जेल भेज देना चाहिए। खरगे अब बूढ़े हो चुके हैं, उन्हें आराम की जरूरत है, जो उन्हें जेल में ही मिलेगा।

नारायण स्वामी ने स्पष्ट किया कि विपक्ष के नेता ने खरगे द्वारा बार-बार अपनी जाति का उल्लेख करने पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पार्टी का अध्यक्ष बनने के बाद व्यक्ति को जाति के टैग से ऊपर उठकर बात करनी चाहिए। आप जहरीले शब्दों का इस्तेमाल करेंगे और जब लोग पलटवार करेंगे, तो आप दलित कार्ड खेलेंगे, यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रियांक खरगे द्वारा अपने पिता के बयान का समर्थन किए जाने को नारायणस्वामी ने 'नीम पर करेला' बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का कोई भी अन्य नेता खरगे के समर्थन में नहीं आया है, जिससे साफ है कि बाप-बेटे अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन बचाने के लिए इस तरह के घटिया और भड़काऊ बयान दे रहे हैं। नारायणस्वामी ने चेतावनी दी कि खरगे के बयानों से बीजेपी कार्यकर्ता आक्रोशित हैं और राज्य भर में विरोध प्रदर्शन जारी रहेंगे। उन्होंने सोनिया गांधी और राहुल गांधी से भी अपील की कि वे कांग्रेस की इस गिरती राजनीति पर लगाम लगाएं।

ग्रामीण अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी होगी दूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की भारी कमी को दूर करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। स्वास्थ्य विभाग ने मेडिकल ऑफिसर्स (एमओ) के ट्रांसफर नियमों में संशोधन करते हुए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। नए नियमों के तहत, सरकार ने उन अस्पतालों पर विशेष ध्यान दिया है जहाँ 50 प्रतिशत से अधिक पद खाली हैं। आदेश के अनुसार उन रिक्त पदों वाले अस्पतालों में डॉक्टरों की तैनाती तुरंत की जाएगी। आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रखने के लिए सरकारी अधिसूचना के माध्यम से पदों को भरा जाएगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और तालुका स्तर के अस्पतालों में चिकित्सा सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करना है।

सरकार ने स्थानांतरण प्रक्रिया में संवेदनशीलता दिखाते हुए विशेष वर्गों के लिए रियायतों की घोषणा की है। दिव्यांग कर्मचारियों और गंभीर पारिवारिक समस्याओं से जूझ रहे डॉक्टरों को मानवीय आधार पर तय समय के लिए ट्रांसफर में छूट दी जाएगी। पति-पत्नी के अलग-अलग स्थानों पर रहने से उत्पन्न होने वाली सामाजिक समस्याओं को देखते हुए, उन्हें एक ही स्थान या आसपास के कार्यक्षेत्र में ट्रांसफर की सुविधा मिलेगी। सरकारी कर्मचारी एसोसिएशन के महत्वपूर्ण पदों पर आसीन अधिकारियों को उनके कार्यकाल के दौरान निरंतर सेवा की अनुमति देकर उनके अधिकारों की रक्षा की गई है।

इस आदेश का एक बड़ा लक्ष्य मेडिकल फील्ड में 'पॉलिटिकल इंटरफेरेंस' (राजनीतिक हस्तक्षेप) को कम करना है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि ट्रांसफर की पूरी प्रक्रिया को कानूनी और पारदर्शी बनाया गया है। निजी प्रभावों को कम कर नियमों के आधार पर नियुक्तियाँ की जाएंगी, जिससे विभाग में 'गुड गवर्नेंस' को बढ़ावा मिलेगा।

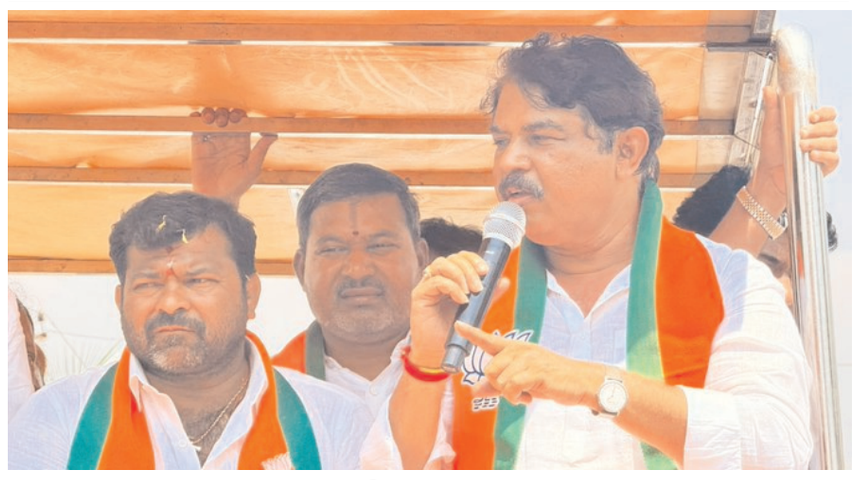

उपचुनाव कर्नाटक सरकार के लिए 'बाय-बाय' का संदेश होंगे : आर. अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि दावणगेरे दक्षिण और बागलकोट में उपचुनाव महज नियमित चुनावी प्रक्रिया नहीं है बल्कि सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार के खिलाफ कर्नाटक की जनता का एक मजबूत संदेश है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधानसभा में नेता विपक्ष आर. अशोक ने कहा कि दावणगेरे दक्षिण और बागलकोट में होने वाले उपचुनाव महज चुनावी औपचारिकताएं नहीं हैं बल्कि ये कर्नाटक की जनता की ओर से सत्ताधारी कांग्रेस सरकार के खिलाफ एक संदेश हैं। अशोक ने बेंगलूरु में बोलते हुए आरोप लगाया कि मतदाता इन उपचुनावों का इस्तेमाल मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली सरकार को 'बाय-बाय' कहने के संकेत के तौर पर कर रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि जहां कांग्रेस के नेता 'सहानुभूति की लहर' की उम्मीद कर रहे हैं, वहीं जमीनी हकीकत जनता के बढ़ते गुस्से को दर्शाती है। उनके मुताबिक, मतदाताओं का मिजाज समर्थन के बजाय असंतोष की ओर इशारा करता है। उन्होंने पिछले तीन वर्षों में सरकार के कामकाज की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि सरकार ने नागरिकों पर भारी करों का बोझ डाला है और जरूरी वस्तुओं तथा सेवाओं की कीमतें बढ़ा दी हैं। भाजपा नेता ने यह भी दावा किया कि सरकार ने लोगों को कर्ज के जाल में फंसा दिया है और विकास के मोर्चे पर पूरी तरह विफल रही है, जिसे उन्होंने अब एक 'मृगतृष्णा' (छलावा) करार दिया।

अशोक ने कहा कि जहां एक ओर सरकार विभिन्न 'गारंटियां' देने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर वह टैक्सों और कीमतों में बढ़ोतरी के जरिए जनता पर बोझ भी डाल रही है। उन्होंने इसे एक ऐसा विरोधाभास बताया, जिसने आम नागरिकों को नाराज कर दिया है। उन्होंने कहा कि दावणगेरे दक्षिण और बागलकोट के उपचुनाव महज दो विधानसभा क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि ये सरकार के 'कुशासन, भ्रष्टाचार और जन-विरोधी नीतियों' के खिलाफ जनता की व्यापक प्रतिक्रिया को दर्शाते हैं। उनके मुताबिक, मतदाताओं ने कांग्रेस सरकार को सबक सिखाने का मन बना लिया है, और मतदाताओं की ओर से उभरने वाला संदेश सत्ताधारी दल को पूरी तरह से नकारने के रूप में स्पष्ट है।

भाजपा नेता अशोक ने कहा, बेंगलूरु, जिसे कभी हम सभी गर्व से 'ग्लोबल सिटी' के नाम से जानते थे, अब मीडिया में 'कचरे के शहर' के रूप में मजाक का पात्र बन गया है। उन्होंने उप-मुख्यमंत्री डीके से पूछा, क्या पूरे बेंगलूरु में जगह-जगह लगे कचरे के ढेर जिनके कारण लोगों को सड़कों पर चलते समय अपनी नाक ढकनी पड़ती है, आपके 'ब्रांड बेंगलूरु' की असली तस्वीर नहीं है? दावणगेरे दक्षिण और बागलकोट विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान गुरुवार को होना है। ये नतीजे मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार के लिए बेहद अहम हैं। ये नतीजे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

कर्नाटक में ईंधन की कमी की खबरें महज अफवाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य में पिछले कुछ दिनों से पेट्रोल और ऑटो गैस की कमी को लेकर फैल रही खबरों पर विराम लगाते हुए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने स्पष्ट किया है कि कर्नाटक में ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद है। विभाग ने जनता से आग्रह किया है कि वे सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों पर चल रही अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराकर पेट्रोल पंपों पर भीड़ न लगाएँ।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सरकारी तेल कंपनियों (आईओसी, बीपीसी और एचपीसी) ने मांग को देखते हुए आपूर्ति को काफी बढ़ा दिया है। सामान्य आपूर्ति 56.67 मीट्रिक टन प्रतिदिन है जिसे बढ़ाकर औसतन 83.58 मीट्रिक टन कर दिया गया है। विभाग के अवर सचिव नागराज बी.ई. ने बयान में कहा कि हालांकि कुछ निजी आपूर्ति कंपनियों के स्टॉक में मामूली कमी देखी गई है, लेकिन सरकारी कंपनियां इसकी भरपाई के लिए बड़ी मात्रा में ईंधन उपलब्ध करा रही हैं। ईंधन की आपूर्ति बिना किसी रुकावट के जारी है। वाहन मालिक अफवाहों के कारण घबराकर लंबी कतारें न लगाएँ और प्रशासन का सहयोग करें।

आईआईआईटी बेंगलूरु ने दौड़ के माध्यम से अक्षय पात्र फाउंडेशन के लिए जुटाए सवा दो लाख रुपए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईआईआईटी) बेंगलूरु ने सफलतापूर्वक अपना वार्षिक माइल्स4मील्स रन का आयोजन किया। जिसमें 5के और 10के श्रेणियां में दौड़ हुई। अक्षय पात्र फाउंडेशन के साथ साझेदारी में आयोजित इस पहल का उद्देश्य वंचित स्कूली बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन की व्यवस्था करना है।

आईआईआईएम परिसर से शुरू हुई इस दौड़ का समापन बिंदु भी वही था। दौड़ को संस्थान के निदेशक प्रोफेसर देबब्रता दास ने हरी झंडी दिखाकर शुरू किया। इस वर्ष के आयोजन में छात्रों, शिक्षकों, कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों और आम जनता सहित 525 से अधिक उत्साही धावकों ने भाग लिया 2026 के संस्करण में 2.25 लाख से अधिक का दान प्राप्त हुआ, जिसका चेक समापन समारोह के दौरान अक्षय पात्र फाउंडेशन को औपचारिक रूप से सौंप दिया गया।

फाउंडेशन के प्रौद्योगिकी निदेशक विनोद सुधाकर ने 5 किलोमीटर की दौड़ में भाग लेकर सामुदायिक भागीदारी और साझा जिम्मेदारी के संदेश को सुदृढ़ किया। इस कार्यक्रम में टेक्नोफोर्ट के सीईओ योगेश पाठक और टेक्नोफोर्ट के बिक्री निदेशक संजय किकला भी उपस्थित थे।

कर्नाटक और तेलंगाना के बीच बढ़ेगी 'बायोएनर्जी' की जुगलबंदी

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने की कर्नाटक की पहलों की सराहना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक राज्य बायोएनर्जी विकास बोर्ड के अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन के बीच हाल ही में एक उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हुई, जिसमें बायोएनर्जी के क्षेत्र में कर्नाटक के नेतृत्व और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान यह उभर कर आया कि कर्नाटक अपनी नई और महत्वाकांक्षी बायोएनर्जी नीति के साथ देश में इस क्षेत्र का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष अजहरुद्दीन ने गर्व के साथ बताया कि कर्नाटक 2009 में बायोएनर्जी नीति बनाने और लागू करने वाला भारत का पहला राज्य था। वर्तमान में, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व और आईटी/बीटी मंत्री प्रियंक खरगे के मार्गदर्शन में राज्य एक नई बायोएनर्जी नीति तैयार कर रहा है। यह नीति पूरी तरह से डेटा और सटीक आंकड़ों पर आधारित होगी।

बोर्ड द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, कर्नाटक में बायोएनर्जी क्षेत्र में क्रांति लाने की जबरदस्त क्षमता है। बायोमास उपलब्धता: लगभग 1.52 लाख टन है। वहीं निवेश क्षमता □1 लाख करोड़ से अधिक है। 35,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों के अवसर प्राप्त होंगे। एक महत्वपूर्ण कदम की घोषणा करते हुए अध्यक्ष ने बताया कि राज्य में बायोडीजल की खुदरा (रिटेल) दुकानें खोलने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। जिस तरह खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा केरोसिन का वितरण किया जाता है, उसी तर्ज पर अब बायोडीजल भी आम जनता के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

बैठक में मौजूद पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कर्नाटक के 'बायोएनर्जी मॉडल' की सराहना की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में भी इस क्षेत्र के विकास की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि इन पहलों को आगे बढ़ाने के लिए तेलंगाना की ग्रामीण विकास मंत्री दानसारी अनुसूया सीतक्का और ऊर्जा मंत्री के साथ चर्चा की जाए। अजहरुद्दीन ने कर्नाटक के बोर्ड चेयरमैन को एक प्रतिनिधिमंडल के साथ तेलंगाना आने का निमंत्रण भी दिया।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या दावणगेरे जिले में बागलकोट और दावणगेरे साउथ विधानसभा सीटों के उपचुनावों से पहले दावणगेरे साउथ सीट से कांग्रेस उम्मीदवार समर्थ मल्लिकार्जुन के नॉमिनेशन फाइलिंग के दौरान समर्थकों का हाथ हिलाते हुए।

राम जल सेतु लिंक अति महत्वाकांक्षी परियोजना : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को बूंदी जिले की इंद्रगढ़ तहसील स्थित गुहाटा गांव पहुंचकर राम जल सेतु लिंक परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन चंबल एक्वाडक्ट के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि राम जल सेतु लिंक परियोजना राज्य सरकार की अति महत्वाकांक्षी परियोजना है। इस परियोजना के माध्यम से पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों में पेयजल एवं सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध हो सकेगा तथा प्रदेश की लगभग 40 फीसदी आबादी इससे लाभांवित होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, सभी कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण हो।

शर्मा ने कहा कि चम्बल एक्वाडक्ट राम जल सेतु लिंक परियोजना का एक महत्वपूर्ण घटक है, ऐसे में अधिकारी निर्माणाधीन कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने परियोजना की प्रगतिरत कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को परियोजना की प्रगति की पूरी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि चम्बल एक्वाडक्ट कोटा के पीपल्दा समेल गांव तथा बूंदी के गुहाटा गांव के मध्य चम्बल नदी पर बनाया जा रहा है। इसकी लंबाई 2 हजार 280 मीटर है। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने बताया कि एक्वाडक्ट का निर्माण 5060 पाइलों एवं 77 पाइल कैपों पर किया जाएगा।

एक्वाडक्ट में औसतन 384 गोलाकार पीयरों का निर्माण होगा। साथ ही, इसके जरिए चम्बल नदी के ऊपर जल का प्रवाह किया जाकर चम्बल नदी को क्रॉस किया जाएगा जिससे आमजन के लिए आवागमन की सुविधा भी उपलब्ध हो सकेगी।

इस अवसर पर शर्मा ने एक्वाडक्ट पीयर का पूजन किया। उन्होंने प्रोजेक्ट साइट पर राम जल सेतु लिंक परियोजना के निर्माण कार्यों को लेकर तैयार की गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इससे पहले शर्मा ने पौधारोपण कर पर्यावरण का संदेश दिया। इस दौरान जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार सहित परियोजना से जुड़े अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

राजस्थान के सलूंबर जिले में रहस्यमयी बीमारी से हफ्ते भर में पांच बच्चों की मौतः अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सलूंबर जिले में रहस्यमयी बीमारी के कारण पांच दिन में पांच बच्चों की मौत हो गई, जिनमें दो सगे भाई-बहन भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दो से चार साल की आयु के इन बच्चों में कथित तौर पर बुखार और उल्टी जैसे लक्षण दिखे तथा 24 घंटे के भीतर ही उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि ये मामले लसाड़िया उपखंड के लालपुरा और घाटा गांव में सामने आए हैं। प्रशासन ने स्वास्थ्य विभाग की टीमों को नमूने लेने और स्थिति पर नजर रखने के लिए तैनात किया है।

अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की पहचान लालपुरा गांव के दीपक (4), उसके भाई लक्ष्मण (3) और सीमा (4) के रूप में तथा घाटा गांव के राहुल (4) और काजल (2) के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि आठ अन्य बच्चों का फिलहाल सलूंबर और उदयपुर के अस्पतालों में इलाज चल रहा है। अतिरिक्त जिलाधिकारी दिनेश राय सापेला ने बताया कि प्रभावित गांवों में रहने वाले लोगों का सर्वेक्षण किया गया। इन गांवों में 560 से अधिक घर हैं।

उन्होंने कहा, चिकित्सा टीमों ने सर्वेक्षण किया है और जिस भी व्यक्ति में लक्षण दिखेंगे उसे इलाज मुहैया कराया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि यदि बच्चों में बीमारी के कोई भी लक्षण दिखें तो वे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी महेंद्र परमार ने बताया कि नमूनों को जांच के लिए आरएनटी मेडिकल कॉलेज भेजा गया है और बीमारी का सटीक कारण रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा।

एहतियाती कदम उठाते हुए, पशुपालन विभाग की टीमों ने घाटा गांव में पशुओं के बाड़ों में कीटाणुनाशक का छिड़काव किया है। स्थानीय विधायक थावरचंद डामोर ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया और अधिकारियों के साथ स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने निवासियों से अपील की कि रोग के लक्षण दिखने पर वे तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें और अंधविश्वास से दूर रहें। वहीं एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सलूंबर जिला सहित उदयपुर संभाग के सातों जिलों में इस बीमारी की रोकथाम के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। विभाग की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं।

बच्चों की मौत के मामले सामने आने के बाद, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने तत्काल विशेषज्ञों की टीम गठित कर मामले की जांच के निर्देश दिए थे। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर भी लगातार प्रभावित क्षेत्र की निगरानी कर रहे हैं। आरएनटी मेडिकल कॉलेज की टीम ने मंगलवार को प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया तथा प्राथमिक उपचार एवं जांच प्रोटोकॉल के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। राज्य स्तरीय टीम ने भी प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर विस्तृत जांच की।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने एक बयान में कहा कि उदयपुर संभाग में करीब 3,690 टीमों द्वारा 52 हजार से अधिक घरों का सर्वेक्षण किया गया तथा इस रोग के लक्षण वाले 275 मरीज पाये गए।

भाजपा सरकार की अलोकतांत्रिक सोच से राजस्थान में संवैधानिक संकट गहराया : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान में स्थानीय निकायों के चुनाव समय पर नहीं कराए जाने को लेकर बुधवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि राज्य सरकार की अलोकतांत्रिक सोच से राजस्थान में संवैधानिक संकट गहराता जा रहा है। गहलोत ने एक बयान में कहा, भाजपा सरकार की अलोकतांत्रिक सोच के कारण राजस्थान में संवैधानिक संकट गहराता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंचायतों और नगरीय निकायों में एक वर्ष से अधिक समय से चुनाव नहीं कराए जाना और उनकी जगह सरकारी प्रशासकों की नियुक्ति, यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधा प्रहार है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के अनुसार संविधान का अनुच्छेद 243ई स्पष्ट करता है कि पंचायतों का कार्यकाल पांच वर्ष का होगा और समय पर चुनाव अनिवार्य हैं। इसी प्रकार अनुच्छेद 243यू नगरीय निकायों के लिए भी यही बाध्यता तय करता है। वहीं अनुच्छेद 243के के तहत राज्य निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र संवैधानिक संस्था के रूप में स्थापित किया गया है, जिसकी जिम्मेदारी चुनाव कराना है। यह किसी सरकार की इच्छा का विषय नहीं, बल्कि संविधान द्वारा निर्धारित अनिवार्य दायित्व है।

उन्होंने कहा, इसके बावजूद, राज्य सरकार ने परिसीमन, पुनर्गठन और तथाकथित वन स्टेट, वन इलेक्शन जैसे बहानों के पीछे छिपकर चुनावों को टालने का प्रयास किया, जबकि उच्चतम न्यायालय ने विकास किशनराव गवली (2021) मामले में स्पष्ट रूप से कहा है कि ये वजहें चुनाव टालने का वैध आधार नहीं हो सकतीं। गहलोत के अनुसार राजस्थान उच्च न्यायालय ने फरवरी, मार्च और नवंबर 2025 में बार-बार निर्देश दिए, लेकिन सरकार ने हर बार इनकी अनदेखी की। अंततः 439 याचिकाओं पर एक साथ निर्णय देते हुए न्यायालय ने 15 अप्रैल 2026 की अंतिम समयसीमा निर्धारित की। उच्चतम न्यायालय द्वारा 'एसएलपी' खारिज कर इस आदेश को बरकरार रखा जाना इस बात का प्रमाण है कि न्यायपालिका ने अपना पक्ष स्पष्ट कर दिया है लेकिन सरकार की ओर से अब तक गंभीरता का अभाव दिखाई देता है। उन्होंने कहा, जब कोई सरकार संविधान के अनुच्छेद 243ई, 243यू और 243के का लगातार उल्लंघन करे, नागरिकों के मताधिकार को एक वर्ष से अधिक समय तक बाधित रखे और न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों की अवहेलना करे तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संवैधानिक विघटन की स्थिति है।

उन्होंने कहा, 73वें और 74वें संविधान संशोधनों की मूल भावना विकेंद्रीकरण, स्थानीय स्वशासन और जनता की भागीदारी को इस प्रकार कुचलना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के अनुसार, भाजपा सरकार को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल सत्ता चलाने का माध्यम नहीं, बल्कि संविधान के प्रति जवाबदेही का दायित्व है।

राजस्थान के कई इलाकों में बारिश, अब मौसम शुष्क रहने का अनुमान

जयपुर। एक पश्चिमी विक्षोभ के असर से बीते चौबीस घंटे में राजस्थान के विभिन्न स्थानों पर बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में राज्य में मौसम आमतौर पर शुष्क रहने एवं तापमान बढ़ने का अनुमान है। स्थानीय मौसम केंद्र के अनुसार, बुधवार सुबह तक के 24 घंटों में राज्य के विभिन्न भागों में बारिश हुई। इस दौरान सर्वाधिक 45 मिलीमीटर बारिश जयपुर के शाहपुरा में दर्ज की गई। आंधी एवं बारिश के कारण राज्य के अधिकांश भागों में इस समय अधिकतम तापमान सामान्य से दो से नौ डिग्री सेल्सियस नीचे रह रहा है। मौसम केंद्र के मुताबिक, इस पश्चिमी विक्षोभ का असर बुधवार दोपहर बाद से राज्य के अधिकांश भागों से समाप्त होगा। इस बीच, आज कोटा और भरतपुर संभाग में छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश होने तथा शेष हिस्सों में मौसम के मुख्यतया शुष्क रहने की संभावना है। बृहस्पतिवार से आगामी चार-पांच दिन राज्य में मौसम शुष्क रहेगा।

मुख्य सचिव श्रीनिवास ने की रेलवे की लंबित परियोजनाओं की समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे की राजस्थान में चल रही विभिन्न रेल एवं अन्य विकास परियोजनाओं की समीक्षा हेतु मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में बुधवार को शासन सचिवालय में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य सचिव ने राज्य के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने वाली रेल परियोजनाओं को प्राथमिकता से पूर्ण करने और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर लंबित परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने नई रेल लाइनों एवं दोहरीकरण के लिए भूमि अवाप्ति की समीक्षा की और लंबित प्रकरणों से संबंधित कार्यों को शीघ्र निस्तारित करने, मुआवजे की विसंगतियों को दूर कर एकरूपता लाने तथा रेलवे भूमि के रेकार्ड में सुधार, नामांतरण (चीरीरींळेप) और भूमि रेकार्ड के मिलान को प्राथमिकता से सुलझाने के लिए संबंधित विभागों तथा जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया । वी. श्रीनिवास ने कहा कि ऊर्जा विभाग से जुड़े विद्युत संबंधी कार्यों के लिए रेलवे के शेष टीएसएस (ढड्ड) को ओपन एक्सेस से जोड़ने और पारेषण लाइनों (ढीरपीाळीळेप डळपशी) के कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया है।

इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों में निर्माणाधीन आरओबी, आरयूबी और सड़क चौड़ाईकरण के लंबित प्रस्तावों पर सभी आवश्यक स्वीकृतियां समयबद्ध तरीके से जारी करने और कार्य की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग के प्रमुख शासन सचिव भवानी सिंह देथा, उत्तर पश्चिमी रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ एवं रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के अतिरिक्त वन, यूडीएच, राजस्व, ऊर्जा, परिवहन व पीडब्ल्यूडी विभागों ,जयपुर विकास प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे तथा संबंधित जिला कलेक्टरों ने वीसी के माध्यम से बैठक में भाग लिया गया।

मिशन 'हरियालो राजस्थान' के अंतर्गत हरियालो एप का प्रशिक्षण दिया

जयपुर। राज्य सरकार की फ्लेगशिप योजना मिशन 'हरियालो राजस्थान' के प्रभावी क्रियान्वयन और निगरानी के लिए 'हरियालो एप' बनाया गया है। मिशन की पूर्ण सफलता के लिए इसकी संचालन प्रक्रिया का समझना सभी स्टैकहोल्डर्स के लिए आवश्यक है। इसी उद्देश्य से बुधवार को वन विभाग ने सभी विभागों के नोडल अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण दिया । इस प्रशिक्षण का उद्देश्य नोडल अधिकारियों को एप के विभिन्न फीचर, उपयोग प्रक्रिया एवं डाटा प्रबन्धन प्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना था।

शासन सचिवालय में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारियो को हरियालो एप के माध्यम से पौधों की जियो-टैगिंग, ऑनलाईन मॉनिटरिंग, रीजियो टैगिंग, फोटो अपलोडिंग तथा रिपोर्टिंग प्रणाली के बारे में चरणबद्ध तरीके से समझाया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास), सुशिखा मेहरा ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रतिनिधि को प्राथमिकता से सड़क किनारे पौधारोपण हेतु उपयुक्त स्थलों का चयन कर यथासंभव फलदार पौधे लगाने की बात कही। साथ ही सभी विभागों को अपने-अपने विभाग की कार्य योजना यथा पौधारोपण स्थल का चयन, गड्ढे खुदाई कार्य, पौधों की खरीद इत्यादि की तैयारी करने हेतु कहा गया।

कृषि विकास और निवेश का वैश्विक मंच बनेगा राजस्थान : राजपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने वाले बहुप्रतीक्षित ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)2026 के सफल आयोजन को लेकर बुधवार को पंत कृषि भवन में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी श्रीमती मंजू राजपाल ने की। बैठक में 10 अप्रैल को जयपुर में प्रस्तावित कर्टन रेज़र कार्यक्रम तथा देश के विभिन्न शहरों में आयोजित होने वाले रोड शो की तैयारियों की गहन समीक्षा की गई। श्रीमती राजपाल ने स्पष्ट कहा कि ग्राम2026 प्रदेश में कृषि नवाचार, अत्याधुनिक तकनीकों और बड़े निवेश को आकर्षित करने का ऐतिहासिक अवसर है, जो किसानों की आय वृद्धि, सतत कृषि विकास और वैश्विक स्तर पर राजस्थान की पहचान को सुदृढ़ करेगा।

उन्होंने निर्देश दिए कि अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित कर इस आयोजन को जनभागीदारी से जोड़ते हुए इसे व्यापक स्वरूप दिया जाए। साथ ही सभी समितियों को सौंपे गए दायित्वों के समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने बताया कि 23 से 25 मई 2026 तक जयपुर में आयोजित होने वाला यह भव्य आयोजन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कृषि क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों को एक मंच पर लाएगा। ग्राम के आयोजन में कृषि एवं कृषि से सम्बन्धित 13 विभाग भाग लेंगे, जिससे किसानों एवं पशुपालकों को ऐक ही मंच पर सभी लाभ मिल सकेंगे। इसमें आयोजन में 75 हजार से अधिक किसानों, 250 से अधिक प्रदर्शकों तथा भारत एवं विदेश की 100 से अधिक कंपनियों के भाग लेने की संभावना है। साथ ही साउथ एशिया, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया तथा उत्तर एवं दक्षिण अमेरिका के देशों के प्रतिनिधियों की भागीदारी भी अपेक्षित है।

उन्होंने बताया कि निवेशकों को आकर्षित करने और आयोजन के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए 17 अप्रैल को दिल्ली, 24 अप्रैल को अहमदाबाद, 6 मई को हैदराबाद और 8 मई को पुणे में रोड शो आयोजित किए जाएंगे।

मोदी 21 को पचपदरा में रिफाइनरी का लोकार्पण करेंगे

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 अप्रैल को राजस्थान आएंगे और पचपदरा (बालोतरा) में रिफाइनरी का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'एक्स' पर पोस्ट कर यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी आगामी 21 अप्रैल को पचपदरा रिफाइनरी के लोकार्पण के लिए राजस्थान आ रहे हैं। शर्मा के अनुसार यह रिफाइनरी मारवाड़ सहित पूरे राजस्थान के आर्थिक कायाकल्प और युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलने वाली 'जीवनरेखा' सिद्ध होगी। बालोतरा जिले के पचपदरा में एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) द्वारा यह रिफाइनरी लगाई जा रही है।

अविनाश गहलोत ने महात्मा ज्योतिबा फुले और डॉ. अंबेडकर जयंती की तैयारियों के लिए की अहम बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने आगामी महात्मा ज्योतिबा फुले और अंबेडकर जयंती को जिला और संभाग स्तर पर धूमधाम से मनाने के लिए अनुसूचित जाति/जनजाति के प्रबुद्धजनों और राज्य स्तरीय सामाजिक संगठनों/संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और कार्यक्रम को वृहद बनाने के लिए सुझाव लिए। गहलोत ने बुधवार को मुख्यालय अंबेडकर भवन में आयोजित अहम बैठक में अनुसूचित जाति/जनजाति के प्रबुद्ध नागरिकों-प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम के सफल होने की कार्ययोजना बनाई।उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल को होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामय उपस्थिति रहेगी। गहलोत ने बताया कि 11 से 14 अप्रेल तक चार दिवसीय भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 11 अप्रैल को कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के साथ होगा। प्रदेश के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर जिला कलेक्टरों द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी।

सामाजिक न्याय मंत्री ने बताया कि 12 अप्रैल को डॉ. अम्बेडकर के जीवन परिचय और संविधान जागरूकता पर केंद्रित कार्यक्रम होंगे। विशेष रूप से संविधान को जानें विषय पर एक ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का शुभारंभ किया जाएगा, जो 14 अप्रैल तक चलेगी। उन्होंने बताया कि 13 अप्रैल को छात्रावासों और आवासीय विद्यालयों में डॉ. अम्बेडकर के जीवन पर आधारित चलचित्रों (फिल्मों) का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही, विभिन्न विभागों द्वारा स्वच्छता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

गहलोत ने बताया कि 14 अप्रैल को बाबा साहेब की जन्म जयंती का राज्य स्तरीय कार्यक्रम श्री भवानी निकेतन महाविद्यालय जयपुर एवं सभी जिला मुख्यालय एवं ब्लॉक स्तर पर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समारोह में संविधान प्रस्तावना का वाचन, संविधान शपथ एवं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान जिला एवं राज्य स्तरीय अंबेडकर पुरस्कार और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। गहलोत ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय संविधान की महत्ता और डॉ. अम्बेडकर के सामाजिक न्याय के सिद्धांतों से आत्मसात कराना है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग और स्वायत्त शासन विभाग सहित विभिन्न विभागों एवं सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी रहेगी।

अजमेर की भारतीय ज्ञान परम्परा की आधुनिक ष्टि के आलोक में तैयार नई वेबसाइट का लोकार्पण

जयपुर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े ने बुधवार को लोकभवन में महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर की भारतीय ज्ञान परम्परा के आलोक में तैयार विद्यार्थी केंद्रित नई वेबसाइट का बटन दबाकर लोकार्पण किया। उन्होंने नई तैयार वेबसाइट में विद्यार्थियों और अन्य संबंधित जनों के लिए शैक्षिक जानकारियों और विश्वविद्यालय से जुड़ी प्रवेश, पाठ्यक्रम आदि प्रक्रियाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराने की पहल की सराहना की।उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में शिक्षण में नवाचार इस तरह से हों कि भारत के अन्य स्थानों और विदेश स्थित विद्यार्थी भी हमारे यहां पढ़ने लिए प्रोत्साहित हों।

पिछले नौ वर्षों में आठ से बढ़कर 18 प्रतिशत हुई कृषि विकास दर : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने पिछले नौ वर्षों के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश की कृषि विकास दर आठ से बढ़कर 18 फीसदी हो जाने का दावा करते हुए बुधवार को कहा कि इसका पूरा श्रेय लगातार किए गए नीतिगत प्रयासों और संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल को जाता है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ में छठी उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कांग्रेस2026 का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि पिछले नौ वर्षों के दौरान राज्य की कृषि विकास दर लगभग आठ प्रतिशत से बढ़कर 18 फीसद हो गई है। उन्होंने भारत की कृषि अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि प्रदेश में देश की 16-17 प्रतिशत आबादी रहती है और यहां देश की लगभग 11 प्रतिशत खेती योग्य ज़मीन है, जो देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में लगभग 21 प्रतिशत का योगदान देती है।

आदित्यनाथ ने कहा, ''राज्य में सबसे उपजाऊ जमीन और भरपूर जल संसाधन हैं जिनका अगर प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया जाए तो काफ़ी अच्छे परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन दिवसीय इस आयोजन में कृषि के विभिन्न आयामों पर गंभीर विचार-विमर्श होगा, जिसमें जमीनी स्तर के अनुभवों, नवाचारों और सफल प्रयोगों को साझा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह मंच केवल चर्चा का नहीं, बल्कि ठोस कार्ययोजना तैयार करने का माध्यम बनना चाहिए, जिससे किसानों को वास्तविक लाभ मिल सके। आदित्यनाथ ने राज्य की पूर्ववर्ती सरकारों की आलोचना करते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले कृषि क्षेत्र अव्यवस्था, असंगठित व्यवस्था और किसानों के गहरे अविश्वास का प्रतीक बन गया था।

महिला आरक्षण से जुड़े नए संवैधानिक संशोधन स्वर्णिम युग की शुरुआतः अन्नपूर्णा देवी

नई दिल्ली/भाषा। अन्नपूर्णा देवी ने बुधवार को कहा कि महिला आरक्षण से जुड़े नए संवैधानिक संशोधन देश में एक नए स्वर्णिम युग की शुरुआत हैं। महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में एक तिहाई आरक्षण देने के प्रावधान वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को 2023 में पारित किया गया था। सरकार अब इसमें संशोधन करके इसे 2029 से लागू करने तथा परिसीमन के माध्यम से लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने की योजना बना रही है।

अन्नपूर्णा देवी ने पोस्ट किया, ''नारी शक्ति वंदन अधिनियम, महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के स्वर्णिम युग की शुरुआत है। भारत की विकास यात्रा में महिलाओं की भागीदारी केवल आवश्यक ही नहीं, बल्कि परिवर्तनकारी है। महिला आरक्षण से जुड़े नए संवैधानिक संशोधन देश में एक नए स्वर्णिम युग की शुरुआत हैं।'' उनका कहना है कि यह ऐतिहासिक कदम संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं की सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करते हुए नीति-निर्माण को अधिक संवेदनशील, समावेशी और परिणामोन्मुख बनाएगा तथा महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति शासन को नई दृष्टि, संतुलन और जनहित के प्रति अधिक प्रतिबद्धता प्रदान करेगी। मंत्री के अनुसार, आंकड़े स्वयं इसकी महत्ता दर्शाते हैं क्योंकि वर्तमान में लोकसभा के 543 सदस्यों में केवल 74 महिलाएं हैं उन्होंने कहा, ''परिसीमन और 33% आरक्षण के बाद यह संख्या बढ़कर 816 में 269 हो जाएगी। राज्य विधानसभाओं में वर्तमान में लगभग 390 महिला विधायक हैं, जो बढ़कर 2,041 हो जाएंगी।''

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने करीब 5,000 एएनएम को दिए नियुक्ति पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को स्वास्थ्य विभाग में सहायक नर्स दाई (एएनएम) के पद पर नियुक्त लगभग 5,000 महिलाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

राजधानी पटना में आयोजित समारोह में कुल 4,954 एएनएम को नियुक्ति पत्र दिए गए। इस मौके पर मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय समेत मंत्रिमंडल के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

समारोह के इतर पत्रकारों से बातचीत में पांडेय ने कहा, स्वास्थ्य उपकेंद्रों की व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 4,954 एएनएम बहनों की नियुक्ति आवश्यक थी। बिहार में अब कुल 14,600 स्वास्थ्य उपकेंद्र और आयुष्मान आरोग्य केंद्र हैं।

उन्होंने कहा, ये उपकेंद्र गांवों और पंचायतों में स्थित हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य अवसंरचना को बेहतर बनाने के सरकार के संकल्प को दर्शाते हैं। स्वास्थ्य विभाग ने पिछले एक वर्ष में ही 20,000 कर्मियों की भर्ती की है। इससे स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के साथ-साथ रोजगार सृजन के सरकार के समग्र लक्ष्य को हासिल करने की प्रतिबद्धता भी झलकती है।

इस बीच, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अपने 'एक्स' हैंडल पर नाराजगी जताते हुए आरोप लगाया कि एनडीए सरकार ने उस सकारात्मक कार्य को दरकिनार कर दिया है, जो उनके उपमुख्यमंत्री रहते हुए और स्वास्थ्य विभाग संभालने के दौरान 17 महीनों में किया गया था।

यादव ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें कथित तौर पर एक सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में एक बुजुर्ग महिला को व्हीलचेयर के अभाव में स्कूटर पर ले जाते हुए दिखाया गया है। उन्होंने नीतीश कुमार सरकार पर दलालों और मेडिकल माफिया से सांठगांठ का आरोप लगाया।

नौकरी चाहने वाले लोगों को म्यांमार के साइबर ठगी अड्डों तक पहुंचाने का आरोपी गिरफ्तार

रांची/भाषा। नौकरी की तलाश करने वाले लोगों को म्यांमार में साइबर ठगी के अड्डों तक पहुंचाने वाले एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क में शामिल एक व्यक्ति को राज्य अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने मुंबई से गिरफ्तार कर लिया। एक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई। झारखंड सीआईडी ने बताया कि पटना के रहने वाले दाऊद अहमद को छह अप्रैल को मुंबई के डोंगरी थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। बयान में कहा गया कि यह नेटवर्क झारखंड से भोले-भाले लोगों को म्यांमार में साइबर ठगी के अड्डों तक पहुंचाता था, जहां उन्हें संगठित ऑनलाइन धोखाधड़ी के लिए मजबूर किया जाता था। बयान में कहा गया है कि रांची के साइबर अपराध थाने में नौ दिसंबर को भारतीय न्याय संहिता, आईटी अधिनियम और प्रवासन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज एक मामले के आधार पर यह गिरफ्तारी की गई।

असम विस चुनावः भाजपा की नजर हैट्रिक पर, कांग्रेस सत्ता वापसी के लिए प्रयासरत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए बृहस्पतिवार को होने वाले चुनाव में अधिकतर सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला होने की संभावना है।

भाजपा का इन चुनावों के जरिये राज्य में लगातार तीसरी बार (हैट्रिक) जीत हासिल करने का लक्ष्य है, जबकि कांग्रेस 2016 में सत्ता से बेदखल होने के बाद राज्य में फिर से सरकार बनाने की कोशिश में है। चुनाव मैदान में कुल 722 उम्मीदवार हैं, जिनमें मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई, नेता प्रतिपक्ष देबब्रत सैकिया, एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल, राइजोर दल के नेता अखिल गोगोई और असम जातीय परिषद (एजेपी) अध्यक्ष लुरिंज्योति गोगोई शामिल हैं। सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक, 35 जिलों के 31,490 मतदान केंद्रों पर मतदान होगा। कुल 2.50 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए पात्र हैं, जिनमें 1.25 करोड़ महिलाएं और तृतीय लिंग के 318 मतदाता शामिल हैं। कांग्रेस ने सबसे अधिक 99 उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि भाजपा ने 90 सीट पर चुनाव लड़ रही है। एआईयूडीएफ 30 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि राजग की सहयोगी असम गण परिषद (अगप) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) क्रमशः 26 और 11 सीटों पर चुनाव मैदान में हैं। विपक्षी खेमे में राइजोर दल 13 सीटों पर, असम जातीय परिषद 10 सीटों पर, माकपा तीन सीटों पर और एपीएचएलसी दो सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। अन्य दलों में आप 18 सीटों पर, यूपीपीएल (18), तृणमूल कांग्रेस (22), झामुमो 16 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि 258 निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में हैं। अलगापुर-कटलीचेरा और करीमगंज दक्षिण में सबसे अधिक 15-15 उम्मीदवार हैं, जबकि रंगिया, जागीरोड (अनुसूचित जाति), होजई, नादुआर, जोनाई (अनुसूचित जनजाति), डूमडूमा, महमोरा, तेओक और लखीपुर सीटों पर केवल दो-दो उम्मीदवार मैदान में हैं।

कांग्रेस का कटाक्षः 'पापा ने वार रुकवा दी' का क्या हुआ

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्धविराम में पाकिस्तान की मध्यस्थ की भूमिका को लेकर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कटाक्ष करते सवाल किया कि ''पापा ने वार रुकवा दी'' का क्या हुआ। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि मोदी सरकार विश्व मंच पर पाकिस्तान को अलग-थलग करने और आतंकवाद के प्रति उसके समर्थन को उजागर करने में नाकाम रही। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भारत के प्रधानमंत्री, जो अमेरिका, इज़राइल, ईरान और खाड़ी देशों के साथ बहुत विशेष मित्रता का दावा करते हैं और जिनके पास इस वर्ष ब्रिक्स+ की अध्यक्षता भी है, युद्धविराम वार्ता के दौरान तस्वीर में क्यों नहीं हैं? युद्धविराम की बात के दौरान भारत कैसे और क्यों निर्णायक नहीं रहा?'' उन्होंने कटाक्ष करते हुए सवाल किया, ''पापा ने वार रुकवा दी का क्या हुआ?'' ''पापा ने वार रुकवा दी'' एक चर्चित राजनीतिक मीम है, जिसका उपयोग विपक्षी दल कई बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा पर निशाना साधने के लिए करते हैं।

ओडिशा सरकार के इंजीनियर सतर्कता जांच के दायरे में, भूखंड और इमारतें उजागर हुईं

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सतर्कता विभाग ने बुधवार को सिंचाई विभाग के एक वरिष्ठ अभियंता से संबद्ध परिसरों पर छापेमारी की, जिसमें कई संपत्तियों का पता चला। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। अधिकारियों ने बताया कि अभियंता से जुड़े स्थानों पर छापेमारी में एक फार्महाउस, एक आलीशान इमारत, उच्च मूल्य के भूखंड और 60 लाख रुपए से अधिक की बैंक जमा राशि का पता चला। अधिकारियों ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर सतर्कता विभाग के अधिकारियों ने मध्य सिंचाई क्षेत्र के इंजीनियर से जुड़े छह स्थानों पर एक साथ छापे मारे। अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान, अधिकारियों ने भुवनेश्वर में तीन मंजिला एक आलीशान इमारत और ढेंकनाल में दो मंजिला फार्महाउस का पता लगाया। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने भुवनेश्वर और ढेंकनाल में उच्च मूल्य के पांच भूखंडों की भी पहचान की। उन्होंने बताया कि छापेमारी के दौरान 6.23 लाख रुपए नकद, 60 लाख रुपए से अधिक की जमा राशि संबंधी दस्तावेज, सोने के आभूषण, 13.47 लाख रुपए के हवाई टिकट और चार-पहिया वाले दो वाहन जब्त किए गए।

ममता ने भवानीपुर सीट से नामांकन दाखिल करने के बाद कहा, मेरे जीवन में सब कुछ यहीं से शुरू हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भवानीपुर विधानसभा सीट से नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए बुधवार को कालीघाट स्थित अपने आवास से मार्च किया और इस निर्वाचन क्षेत्र को ध्रुवीकरण की चपेट में आए ''मिनी इंडिया'' के रूप में पेश किया। नामांकन के लिए उनका यह अलग तरीका राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ''परिवर्तन'' के आह्वान के खिलाफ एक राजनीतिक जवाब है।

बनर्जी ने 'ममता बनर्जी जिंदाबाद', 'जय बांग्ला' और 'तृणमूल कांग्रेस जिंदाबाद' के नारे लगाते समर्थकों की भीड़ के बीच अलीपुर सर्वे बिल्डिंग तक रैली का नेतृत्व किया तथा यहां नामांकन पत्र दाखिल किया। बनर्जी ने 2021 में भवानीपुर सीट से जीत हासिल की थी। वह अपनी चिर परिचित मुस्कान के साथ हाथ जोड़े लगभग 600 मीटर तक चलीं। उनके साथ उनकी महिला समर्थक शंख बजाती और जयकारे लगाती रहीं तथा पार्टी कार्यकर्ता तृणमूल कांग्रेस के झंडे लहराते रहे। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में पिछले सप्ताह इस सीट पर नामांकन पत्र दाखिल करते हुए अपनी पार्टी का शक्ति प्रदर्शन और ''परिवर्तन'' का आह्वान किया था। बुधवार को बनर्जी का रोड शो इसके विपरीत अपनी विचारधारा के प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है।

ईडी ने कोलकाता की रियल एस्टेट कंपनी से जुड़े सात परिसरों में छापेमारी की

कोलकाता/नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोलकाता स्थित रियल एस्टेट कंपनी मर्लिन ग्रुप और उसके प्रवर्तकों के परिसरों में बुधवार को छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई धनशोधन जांच के तहत की गई। अधिकारियों ने बताया कि धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत समूह एवं उसके प्रवर्तकों सुशील मोहता और साकेत मोहता से जुड़े लगभग सात परिसरों में छापेमारी की गई।

कंपनी की ओर से छापेमारी के संबंध में प्रतिक्रिया का इंतजार है। प्रवर्तक और कंपनी संघीय जांच एजेंसी की निगरानी में हैं और उन पर ''जाली'' दस्तावेजों का इस्तेमाल करके ''झूठा'' स्वामित्व रिकॉर्ड बनाने का आरोप है, जिसके कारण भूमि हड़पने के आरोप लगे हैं। यह कार्रवाई ऐसे समय की गई है जब पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा।

ईडी ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने कथित तौर पर हथियाई गई जमीन का व्यावसायिक रूप से ''इस्तेमाल'' करते हुए ''बड़े पैमाने पर'' रियल एस्टेट परियोजनाएं शुरू कीं।

तृणमूल सरकार ने बंगाल के लोगों के भूमि अधिकार छीन कर घुसपैठियों को दे दिए : नितिन नवीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलीपुरद्वार (पश्चिम बंगाल)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को आरोप लगाया कि ममता बनर्जी सरकार ने पश्चिम बंगाल के लोगों की जमीन छीनकर घुसपैठियों को दे दी, जिससे राज्य की जनसांख्यिकी बदल गई।

उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा की ''डबल इंजन'' सरकार बनने पर, वह जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को ठीक करेगी और बांग्लादेशी घुसपैठियों को राज्य से बाहर निकाल देगी।

नवीन ने कहा, ''ममता बनर्जी सरकार ने पश्चिम बंगाल के लोगों के भूमि अधिकार छीनकर उन्हें घुसपैठियों को दे दिया है, जिससे राज्य की जनसांख्यिकी बदल गई है।''

भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति और अराजकता के कारण बंगाल के निवासी राज्य छोड़ने के लिए ''मजबूर'' हो रहे हैं। उन्होंने तृणमूल सरकार पर राज्य के लोगों को पलायन के लिए मजबूर करने और बांग्लादेशी घुसपैठियों को बंगाल में बसने में मदद करने का आरोप लगाया।

भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिल में एक खास जगह रखता है और कहा, ''बंगाल में विकास की रफ्तार धीमी हो गई है। तृणमूल सरकार ने राज्य की पहचान और जनसंख्या को ही बदल डाला है।''

नवीन ने आरोप लगाया, ''पहले कांग्रेस, फिर वामपंथी और अब तृणमूल। जो राज्य कभी उद्योगों से लेकर संस्कृति तक, हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व करता था, वह अब अंधकार में है।''

तनावपूर्ण माहौल में खत्म हुई निर्वाचन आयोग-टीएमसी की बैठक, दोनों पक्षों ने लगाए एक-दूसरे पर आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक प्रतिनिधिमंडल और भारत निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ के बीच बुधवार को हुई बैठक तनावपूर्ण माहौल में समाप्त हुई।

टीएमसी नेताओं ने आरोप लगाया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने उनसे यहां से चले जाइए कहा, जबकि आयोग ने टीएमसी नेताओं पर चिल्लाने का आरोप लगाया। राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ'ब्रायन, उप नेता सागरिका घोष, सांसद साकेत गोखले और मेनका गुरुस्वामी वाले एक प्रतिनिधिमंडल ने पश्चिम बंगाल चुनाव से कुछ दिन पहले निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात की। बैठक के बाद ओ'ब्रायन ने मीडिया से कहा कि उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नौ पत्र मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को सौंपे जिन पर ध्यान नहीं दिया गया। तृणमूल नेताओं ने निर्वाचन आयोग को उन कुछ मामलों से भी अवगत कराया जिनमें कुछ निर्वाचन अधिकारियों के भाजपा से तार जुड़े होने का आरोप लगाया गया है और उनके स्थानांतरण की मांग की गई है।

ओ'ब्रायन ने कहा, ''हमने उन्हें ऐसे छह उदाहरण दिए जिनमें अधिकारी

चुनाव प्रक्रिया का हिस्सा हैं और उनके भाजपा के साथ संबंध हैं।'' इसमें नंदीग्राम में मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा एक स्थानीय भाजपा नेता के साथ होने का एक उदाहरण दिया गया। तृणमूल कांग्रेस सांसद ने कहा कि इस संबंध में एक ज्ञापन सौंपा गया है। ओ'ब्रायन ने कहा, ''हमने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) से पूछा कि जब बंगाल में ऐसे दागी अधिकारियों को नियुक्त किया गया हो तो वह निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कैसे करा सकते हैं। इस पर उनका जवाब था 'यहां से चले जाइए।'' तृणमूल नेता ने कहा, ''हमने मुख्य निर्वाचन आयुक्त से कहा कि हम उनकी बात नहीं सुनेंगे क्योंकि वह अपने साथियों को बोलने नहीं देते। हमने इस तरह की आठ से नौ बैठकें की हैं, जिसमें सीईसी के अलावा कोई नहीं बोलता।''

ओ'ब्रायन ने कहा कि सात मिनट की बैठक के अंत में तृणमूल कांग्रेस के एक नेता ने ज्ञानेश कुमार को बधाई दी कि वह पहले ऐसे मुख्य निर्वाचन आयुक्त हैं जिन्हें पद से हटाने के लिए लोकसभा और राज्यसभा में नोटिस दिए गए। इस बीच आयोग ने तृणमूल नेताओं पर चिल्लाने का आरोप लगाया और यह भी कहा कि आयोग राज्य में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराएगा। आयोग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उसने तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल से 'सीधी बात' की। निर्वाचन आयोग ने कहा कि उसने तृणमूल कांग्रेस से कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल में चुनाव निश्चित रूप से भयमुक्त, हिंसामुक्त, धमकीमुक्त और प्रलोभनमुक्त होंगे। आयोग के सूत्रों ने ओ'ब्रायन पर निर्वाचन आयुक्तों पर चिल्लाने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने सीईसी से कहा कि वह नहीं बोलें।

राहुल गांधी का सिपाही हूं, डरूंगा नहीं, सवालों के जवाब दें शर्मा : पवन खेड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनके परिवार के खिलाफ विदेश में संपत्ति होने से संबंधित नए आरोप लगाए और कहा कि वह राहुल गांधी के सिपाही हैं और बिना डरे सवाल पूछते रहेंगे।

उन्होंने कांग्रेस द्वारा जारी एक वीडियो में कहा कि 'अपशब्द' बोलने और पुलिस से पीछा करवाने के बजाय शर्मा को कांग्रेस द्वारा पूछे जा रहे सवालों का जवाब देना चाहिए। कांग्रेस ने कहा कि खेड़ा का वीडियो किसी 'अज्ञात स्थान' से रिकॉर्ड किया गया है। असम पुलिस की टीम दिल्ली में खेड़ा के आवास पर उनसे पूछताछ के लिए पहुंची थी और तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी द्वारा खेड़ा के आरोपों के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत पर की गई। खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री की पत्नी पर तीन पासपोर्ट व अघोषित संपत्ति रखने का आरोप लगाया था। खेड़ा ने कहा, ''आप देख रहे हैं कि असम के मुख्यमंत्री तरह तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। मेरे फ्लैट पर कल 100 पुलिस वाले पहुंचे थे और मेरे इलेक्ट्रॉनिक गजट लेकर चले गए।'' उनका दावा है, ''मैं जहां भी जाता हूं या इनको लगता है कि मैं गया हुआ हूं, वहां ये पुलिस भेज रहे हैं। क्यों? कांग्रेस ने सवाल ही तो उठाए हैं, आप कांग्रेस और मुझे चुप क्यों करना चाहते हैं? आप जवाब देने की बजाय सबको गाली दे रहे हैं और पीछे पुलिस छोड़ रहे हैं।''

सुविचार

समय की कद्र करना सीखें। जो समय को बर्बाद करता है, समय अंत में उसे बर्बाद कर देता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एकता की डोर को मजबूत करती हिंदी

कर्नाटक राज्य बोर्ड में तीसरी भाषा के तौर पर लगभग 93 प्रतिशत विद्यार्थियों ने हिंदी का चयन कर उन राजनेताओं के दावों को खारिज किया है, जो भाषावाद का मुद्दा भड़का कर सियासी रोटियां सेकते हैं। भारत संभवत: एकमात्र ऐसा देश है, जहां वोटबैंक के लिए उसकी सबसे ज्यादा प्रचलित और सबको जोड़ने वाली भाषा का विरोध किया जाता है। ब्रिटेन के लोग अंग्रेजी पर गर्व करते हैं। रूस में रूसी भाषा का सबसे ज्यादा आदर किया जाता है। चीन में चीनी (मंदारिन) भाषा सर्वोपरि है। दक्षिण कोरिया के लोग कहते हैं कि हमने अपनी भाषा के बल पर उन्नति की है और किसी विदेशी भाषा की जरूरत ही नहीं है। जापानियों का देशप्रेम और भाषाप्रेम किसी से छिपा नहीं है। अगर वहां किसी को नौकरी करनी है, व्यापार करना है, तो जापानी भाषा के बिना गुजारा नहीं हो सकता है। जब भारत में कुछ राजनेता हिंदी के विरोध में राग अलापते हैं तो हर विचारशील नागरिक के मन में प्रश्न पैदा होता है– यह कैसी राजनीति कर रहे हैं? हिंदी के बिना कैसा हिंदुस्तान होगा? कर्नाटक बोर्ड का उक्त आंकड़ा कई गहरी बातें कहता है। इन विद्यार्थियों ने माना है कि हिंदी तोड़ती नहीं, बल्कि सबको जोड़ती है। हिंदी की स्वीकार्यता इसलिए बढ़ती जा रही है, क्योंकि इसे सीखने से संपर्क और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। यह आंकड़ा उन दावों की भी पोल खोलता है, जिनमें कहा जाता है कि हिंदी की वजह से क्षेत्रीय भाषाओं का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। हिंदी को हटाने के लिए पूर्व में कई कुतर्कों का सहारा लिया गया। इस मुद्दे को 'हिंदी बनाम अन्य भाषा' बनाने की कोशिश की गई। इसे कई जगह समर्थन भी मिला, लेकिन अब असलियत सामने आ रही है। यह कहना गलत नहीं होगा कि भाषा के मामले में कर्नाटक राज्य बोर्ड के विद्यार्थी पुरानी पीढ़ी से कहीं ज्यादा जागरूक हैं।

नई शिक्षा नीति त्रिभाषा व्यवस्था पर जोर देती है। इसमें क्षेत्रीय भाषाओं का पूरा ध्यान रखा गया है। इसके साथ अंग्रेजी के महत्त्व को स्वीकार किया गया है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। वहीं, तीसरी भाषा के रूप में हिंदी की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इस भाषा को सीखने से अन्य राज्यों के साथ जुड़ाव बेहतर होगा। इससे हमारी राष्ट्रीय एकता और मजबूत होगी। कर्नाटक राज्य बोर्ड के कई विद्यार्थियों ने उर्दू, संस्कृत, अरबी, तुलु, कोंकणी और मराठी भाषा का चयन किया है। इन सभी भाषाओं के साथ हिंदी का बहुत गहरा संबंध है। उर्दू तो बनी ही हिंदी से है। अगर लिपि एक तरफ कर दें तो कुछ शब्दों का फर्क रह जाता है। संस्कृत को भाषाओं की जननी यूं ही नहीं कहा गया है। इसके हजारों शब्द सदियों की यात्रा करते हुए हिंदी में आए, जिन्हें पहचानना मुश्किल नहीं है। उर्दू में भी संस्कृत के शब्दों की भरमार है। अरबी एक विदेशी भाषा जरूर है, लेकिन इसके कई शब्द हिंदी में प्रचलित हैं। इससे हिंदी और समृद्ध हुई है। इस जुड़ाव से न तो अरबी का अस्तित्व खतरे में पड़ा और न हिंदी के सौंदर्य में कोई कमी आई। तुलु, कोंकणी और मराठी का हिंदी से वही संबंध है, जो किसी परिवार की बहनों में होता है। इनमें विभिन्न अक्षरों, शब्दों, लिपि और व्याकरण के स्तर पर अद्भुत समानता है। भले ही, बोर्ड स्तर के विद्यार्थियों को इन सभी भाषाओं के बारे में इतनी गहरी जानकारी न हो, लेकिन वे यह जरूर जानते हैं कि हिंदी का विरोध कुछ राजनेताओं को फायदा पहुंचाएगा, जबकि हिंदी का ज्ञान उन्हें भविष्य में फायदा देगा। सरकारी नौकरियों, बैंक, रेलवे और निजी क्षेत्रों में हिंदी का ज्ञान बहुत काम आएगा। अगर व्यापार करेंगे तो हिंदी का ज्ञान उसके विस्तार में मदद करेगा। क्षेत्रीय भाषा के साथ हिंदी सीखना विद्यार्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा। ऐसे विद्यार्थी अपने विचारों को बेहतर ढंग से अभिव्यक्त कर पाएंगे और उन दूरियों को भी मिटाएंगे, जो कुछ राजनेताओं ने पैदा की हैं।

ट्वीटर टॉक

अरुणाचल प्रदेश के अंजा जिले में 1200 मेगावाट क्षमता की कलई-खख जल विद्युत परियोजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलना विकास की बड़ी सौगात है। यह परियोजना पूर्ण होकर स्वच्छ और सतत ऊर्जा उत्पादन का नया मानदंड स्थापित करेगी।

–गजेन्द्रसिंह शेखावत

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस की वरिष्ठ नेता श्रीमती मोहसिना किदवई जी का निधन अत्यंत दुखद है। उन्होंने श्रीमती इंदिरा गांधी एवं श्री राजीव गांधी की सरकारों में स्वास्थ्य, शहरी विकास और नागरिक उड्डयन जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी बखूबी संभाली।

–अशोक गहलोत

महान देशभक्त, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक और भारतीय चेतना के अमर साहित्यकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटिशः नमन। अपनी ओजस्वी लेखनी से उन्होंने पराधीन भारत की आत्मा में स्वाभिमान, राष्ट्रप्रेम और स्वतंत्रता का अमिट संकल्प जागृत किया।

–ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

समय की सूझबूझ का साहस

कावेरी नदी में भयंकर बाढ़ आई हुई थी। दो-चार फुट जल और बढ़ने पर कृष्णराज सागर बांध क्षतिग्रस्त होने की आशंका थी, जिससे जन-धन की भारी तबाही हो सकती थी। विश्व प्रसिद्ध इंजीनियर विश्वेश्वरैया ने अपने अधीनस्थ सभी इंजीनियरों की आपात बैठक बुलाई और विचार-विमर्श किया कि जल के वेग को बढ़ने से कैसे रोका जाए। सभी इंजीनियर एक स्वर में बोले कि यदि बांध के सबसे नीचे लगे दरवाजे खोल दिए जाएं तो जल का वेग कम हो जाएगा। अब प्रश्न था, लबालब भरे बांध के नीचे जाकर दरवाजे खोले कौन? उसमें जान का जोखिम था। सब एक-दूसरे का मुंह ताकने लगे। इतने में मैकेनिकल इंजीनियर भालचंद्र पंत केतकर ने खड़े होकर विश्वेश्वरैया से कहा कि, 'श्रीमान! मझे आदेश दीजिए, मैं दरवाजे खोल सकता हूं।' पर ऐसा आदेश देने के लिए अपने होंठों को खोलना दरवाजे खोलने जितना ही कठिन था। अतः विश्वेश्वरैया कुछ कह न सके। किंतु केतकर बिना उत्तर मिले तीव्र गति से दरवाजे खोलने के लिए दौड़ पड़े। उनकी देखादेखी उनके पीछे नौ-दस जवान और दौड़ पड़े। सबने मिलकर सूझ-बूझ से दरवाजे खोल दिए।

सामयिक

दो हफ्ते का युद्ध विराम, लेकिन खतरा बरकरार

प्रो. आरके जैन अरिजीत

मध्य पूर्व की धधकती धरती पर जब चारों ओर बारूद, धमकियों और विनाश की गूंज फैल रही थी, तभी अचानक शांति की ऐसी खबर सामने आई जिसने पूरी दुनिया को स्तब्ध कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो कुछ घंटे पहले तक ईरान को सभ्यता के अंत की चेतावनी दे रहे थे, अचानक दो सप्ताह के युद्ध विराम के लिए तैयार हो गए। उनकी केवल एक शर्त थी–ईरान तुरंत और सुरक्षित ढंग से होर्मुज स्ट्रेट खोल दे। यही वह समुद्री मार्ग है, जिससे दुनिया के बड़े हिस्से तक तेल पहुंचता है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह फैसला पाकिस्तान की चौंकाने वाली कूटनीति की जीत था, या फिर अमेरिका अपनी ही भड़काई आग में फंसकर पीछे हटने पर मजबूर हो गया?

ट्रंप की इस घोषणा ने वैश्विक राजनीति की पूरी बिसात ही पलट दी। दुनिया युद्ध के छठे सप्ताह में पहुंच चुकी थी। तेल की कीमतें लगातार आसमान छू रही थीं, शेयर बाजार दहशत में डूबे थे और पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं पर संकट की रेखाएं साफ नजर आने लगी थीं। ऐसे निर्णायक मोड़ पर ट्रंप ने सोशल मीडिया पर खुलासा किया कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से बातचीत के बाद उन्होंने ईरान पर संभावित सैन्य कार्रवाई को दो सप्ताह के लिए टालने का फैसला किया है। इसके तुरंत बाद ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने भी इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में बातचीत तय हुई और पूरे क्षेत्र में पहली बार ऐसा लगा कि बारूद के बीच भी शांति की राह निकल सकती है।

इस संकट में पाकिस्तान ने खुद को केवल पड़ोसी देश नहीं, बल्कि मुख्य मध्यस्थ के रूप में पेश करने की कोशिश की। शहबाज शरीफ ने ट्रंप से युद्ध टालने की अपील की, जबकि ईरान से होर्मुज स्ट्रेट खोलने को कहा। रातभर आसिम मुनीर अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वांस और विशेष दूतों के संपर्क में रहे। दावा है कि ईरान की दस सूत्रीय योजना भी पाकिस्तान के जरिए वॉशिंगटन पहुंची। इस्लामाबाद ने ईरान से पुराने रिश्तों और अमेरिका से सैन्य साझेदारी के बीच संतुलन साधा, लेकिन इसी ने उसकी नीयत पर सवाल खड़े कर दिए। मिस्र और तुर्की को साथ जोड़कर पाकिस्तान ने संकेत दिया कि वह केवल क्षेत्रीय खिलाड़ी नहीं, बल्कि संकट में खुद को अनिवार्य शक्ति साबित करना चाहता है। पाकिस्तान की यह भूमिका जितनी प्रभावशाली दिखती है, उतनी ही संदेहों से घिरी भी है। कई विश्लेषकों का मानना है कि इस्लामाबाद ने शांति से अधिक अपनी घटती वैश्विक हैसियत बचाने का मौका देखा। एक तरफ वह अमेरिका का करीबी सुरक्षा साझेदार है, दूसरी तरफ ईरान से उसके धार्मिक, भौगोलिक और राजनीतिक संबंध हैं। ऐसे में दोनों पक्षों को साथ रखने की उसकी कोशिश क्या वास्तव में संतुलन है, या केवल अपना प्रभाव बढ़ाने की चाल? फिलहाल यह रणनीति उसके पक्ष में दिख रही है, लेकिन यही दांव आगे सबसे बड़ा संकट बन सकता है। वार्ता विफल हुई या किसी एक पक्ष ने उसे पक्षपाती माना, तो पाकिस्तान दोनों ओर से अविश्वास और अलगाव का सामना कर सकता है। ट्रंप के कदम पीछे खींचने की असली वजह पाकिस्तान नहीं, अमेरिका की बढ़ती मजबूरी थी। होर्मुज स्ट्रेट बंद होते ही तेल आपूर्ति पर असर पड़ा और अमेरिकी बाजार, महंगाई व ईंधन कीमतों पर दबाव बढ़ गया। चुनावी माहौल में ट्रंप जानते थे कि महंगाई की चोट उन्हें राजनीतिक रूप से भारी पड़ सकती है। इजरायल लगातार ईरान पर कड़ी कार्रवाई चाहता था, लेकिन लंबा युद्ध अमेरिका की छवि भी बिगाड़ रहा था। वह विश्व पुलिस नहीं, बल्कि युद्ध को हवा देने वाली शक्ति नजर आने लगा था। ऐसे में ट्रंप के सामने विकल्प साफ था–या तो युद्ध बढ़ाकर संकट गहराएं, या पीछे हटकर नुकसान सीमित करें। उन्होंने दूसरा रास्ता चुना।

इस युद्धविराम का सबसे गहरा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ा। होर्मुज स्ट्रेट खुलने की संभावना से तेल बाजार को राहत मिली। भारत जैसे देशों के लिए यह अहम है, क्योंकि उनका अधिकांश तेल इसी रास्ते से आता है। रास्ता बंद रहता, तो पेट्रोल-डीजल और खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती थीं। लेकिन खतरा अभी टला नहीं है।

ईरान ने युद्धविराम को दबाव में लिया गया फैसला नहीं, बल्कि शर्तों से जुड़ा समझौता माना। तेहरान ने साफ कर दिया कि उसे कुछ दिनों की राहत नहीं, स्थायी समाधान चाहिए। उसकी मांगों में प्रतिबंधों में ढील, पुनर्निर्माण सहायता और भविष्य में हमले न करने की गारंटी शामिल है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट खोलने के संकेत दिए, लेकिन बदले में अमेरिका से स्पष्ट राजनीतिक भरोसा मांगा। इसी वजह से वह शुरुआत में दो सप्ताह के अस्थायी विराम पर तैयार नहीं हुआ। पाकिस्तान बीच में अपनी भूमिका दिखाता रहा, लेकिन निर्णायक दबाव चीन ने बनाया। इससे साफ है कि यह केवल दो देशों का टकराव नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन की लड़ाई है।

इस युद्धविराम का सबसे गहरा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ा। होर्मुज स्ट्रेट खुलने की संभावना से तेल बाजार को राहत मिली। भारत जैसे देशों के लिए यह अहम है, क्योंकि उनका अधिकांश तेल इसी रास्ते से आता है। रास्ता बंद रहता, तो पेट्रोल-डीजल और खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती थीं। लेकिन खतरा अभी टला नहीं है। इजरायल सतर्क है, लेबनान और हिजबुल्लाह के बीच तनाव जारी है। ऐसे में क्या इस्लामाबाद की वार्ता सचमुच समाधान दे पाएगी, या केवल संकट को कुछ समय के लिए टाल रही है? अगर दो सप्ताह बाद बातचीत विफल हुई, तो यह टकराव और खतरनाक हो सकता है। यह युद्धविराम शांति नहीं, केवल अस्थायी विराम लगता है। धुआं अभी थमा है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल बाकी है–इस विराम के पीछे असली जीत किसकी है? पाकिस्तान खुद को संकट का समाधानकर्ता बता रहा है, पर क्या उसने सचमुच हालात बदले, या केवल अमेरिका की मजबूरी को अपनी उपलब्धि बना लिया? अमेरिका पहले ही महंगाई, चुनावी दबाव और वैश्विक आलोचना से घिरा था। दूसरी ओर ईरान ने दिखा दिया कि होर्मुज स्ट्रेट बंद कर वह पूरी दुनिया पर दबाव बना सकता है। अब फैसला 10 अप्रैल की वार्ता करेगी। वहीं साफ होगा कि यह शांति की शुरुआत है, या अगली टकराव से पहले का सन्नाटा।

नजरिया

चलो दिलदार चलो, चाँद के पार चलो

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

ओरियन अंतरिक्ष यान को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेस लॉन्च सिस्टम (एसएलएस) नामक एक विशाल रॉकेट और कमांडर रीड वाइसमैन के नेतृत्व में एक टीम में पायलट विक्टर ग्लोवर, मिशन विशेषज्ञ क्रिस्टीना कोच और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी के जेरेमी हैनसन शामिल थे। क्रिस्टीना कोच के पास पहले से ही सबसे लंबी एकल अंतरिक्ष यात्रा का रिकॉर्ड है, जो चंद्रमा की कक्षा में पहुंचने वाली पहली महिला हैं निश्चित। ये चारों विशेषज्ञ चंद्रमा के 'दूर के भाग' का निरीक्षण करेंगे, यानी पृथ्वी का वह हिस्सा जो पृथ्वी से कभी दिखाई नहीं देता है। यह मिशन न केवल चंद्रमा की कक्षा के लिए बल्कि भविष्य के मंगल मिशनों और चंद्रमा पर एक स्थायी मानव बस्ती की स्थापना के लिए भी एक महत्वपूर्ण आधार होगा। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य मानव अंतरिक्ष यात्रा की सीमाओं का परीक्षण करना और वास्तविक वातावरण में नई तकनीकों का परीक्षण करना है। आर्टेमिस-2 एक 'क्रूड फ्लाईबाय' मिशन है।

इसका मतलब है कि अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा की सतह पर नहीं उतरेंगे, बल्कि चंद्रमा के पीछे की ओर एक चौड़े मोड़ के साथ पृथ्वी पर लौटेंगे। 10 दिन की यात्रा के दौरान, ओरियन अंतरिक्ष यान पृथ्वी से लगभग 393,000 किलोमीटर की दूरी तक पहुंचेगा, जो अपोलो 13 मिशन द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ देगा, जो पृथ्वी से 2.3 मिलियन मील की यात्रा करेगा। इस मिशन के पीछे मुख्य कारण यह है कि 2008 में नासा ने एक चंद्रयान मिशन लॉन्च किया था जिसमें चांद पर पानी के सबूत मिले थे। इसकी पुष्टि के लिए इस अभियान की योजना बनाई गई है। स बार मिशन का उद्देश्य चंद्रमा पर जाना और झंडा लगाना नहीं है, यह संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस के बीच वैज्ञानिक वर्चस्व की लड़ाई थी, और यह इस बात पर लड़ी गई थी कि इस पर कौन हावी है, लेकिन अब समय चला गया है, रूस ढह गया है और अमेरिका अब दुनिया का सबसे मजबूत राष्ट्र नहीं है। आर्टेमिस विज्ञान और भू-राजनीतिक संघर्ष में एक अलग युग का प्रतिनिधित्व करता है, और चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका अंतरिक्ष की दौड़ में एकमात्र अग्रणी स्थान के रूप में चंद्रमा के लिए लड़ रहे हैं। आर्टेमिस एक विश्वव्यापी अंतरिक्ष अन्वेषण है। इस अभियान का उद्देश्य बहुत व्यापक है। चंद्रमा पर बर्फ पाई गई थी, और वैज्ञानिकों का अनुमान है कि चंद्रमा पर गड्ढे हैं और क्या इस बर्फ का उपयोग अंतरिक्ष स्टेशन बनाने के लिए किया जा सकता है? इसके अलावा, क्या रॉकेट लॉन्चर के लिए चंद्रमा पर जीवन रक्षक प्रणालियों के साथ ऑक्सीजन और हाइड्रोजन का उपयोग किया जा सकता है? लेकिन यह स्वीकार करना होगा कि इस मिशन ने एक बार फिर इस अंतरिक्ष प्रभुत्व में अमेरिका के आधिपत्य को साबित कर दिया है।इसने साबित कर दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका अब रूस के साथ नहीं, बल्कि चीन के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है, क्योंकि आर्टेमिस मिशन ने चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा, संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी वर्चस्व के लिए एक भयंकर लड़ाई और सबसे महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक वर्चस्व के लिए एक नया आयाम दिया है। संभावित जल प्रतिस्पर्धा और संसाधनों के लिए राष्ट्र इसमें उतरे हैं। अमेरिका ने इस दिशा में शुरुआत कर दी है, जबकि चीन 2028-29 में चांद पर उतरेगा। आर्टेमिस का महत्व यह है कि यह साबित करेगा कि किसके पास बेहतर मानव उड़ान क्षमता है, इसलिए संयुक्त राज्य अमेरिका का लक्ष्य अंतरिक्ष में अपना पहला स्थान बनाना और उस पर बने रहना है।

अमेरिका के मिशन में यूरोप, कनाडा और जापान के अंतरिक्ष वैज्ञानिक शामिल हैं, जबकि चीन स्वतंत्र है। बेशक चीन का साथी रूस है, आर्टेमिस की सफल वापसी अमेरिका के प्रभुत्व को साबित करती है। यह अंतरिक्ष प्रतियोगिता केवल द्विपक्षीय नहीं है, बल्कि भारत जैसे देशों ने भी अंतरिक्ष वर्चस्व में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया है।

आर्टेमिस संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अंतरिक्ष अन्वेषण में अपनी प्रमुखता फिर से हासिल कर सकता है और चीन की उन्नत क्षमताओं में अमेरिका की ताकत का प्रदर्शन कर सकता है। आर्टेमिस दस दिवसीय मिशन है जो एक बार फिर चंद्र अंतरिक्ष में अमेरिका के प्रभुत्व को साबित करेगा। यह चीन को अपने मिशन को तेज करने के लिए भी प्रेरित करेगा। अब चंद्रमा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच एक नई प्रतिस्पर्धा है, और अंतरिक्ष दौड़ का भाग्य इस बात से तय होगा कि उस पर कौन हावी है। 1961 में, यूरी गगारिन पहले अंतरिक्ष यात्री बने, उसके बाद अमेरिकी चंद्र मिशन और फिर आर्टेमिस मिशन।

बहरहाल नासा का प्रदर्शन मानव जाति के लिए एक खुशी की बात है जो एक ओर एक तर्कहीन प्रतीत होने वाले समाज की वास्तविकता में फंस गया है जो एक ओर अपनी बुद्धि को किसी क्षुद्र बाबापु के चरणों में गिरवी रखता है, और दूसरी ओर, धर्म/जाति की कृत्रिम सीमाओं में विभाजित एक हास्यास्पद रूप से नासमझ समाज। आर्टेमिस का रिकॉर्ड पृथ्वी से इतनी लंबी दूरी की यात्रा कभी कोई नहीं कर पाया है। उस सीमा को भी आर्टेमिस ने पार कर लिया था। मानव क्षमता की सीमाओं को पार करना कुछ ऐसा है जो केवल एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही कर सकता है। इस देश की महानता इस तथ्य में निहित है कि संयुक्त राज्य अमेरिका डोनाल्ड ट्रम्प जैसे विचित्र राष्ट्रपति के साथ भी इस दृष्टिकोण और इसके महत्व को बनाए रख सकता है। उस वैज्ञानिक भावना को सलाम करना और 'आर्टेमिस-2' मिशन का जश्न मनाना वांछनीय है। आर्टेमिस, ग्रीक पौराणिक कथाओं में प्रकाश के देवता अपोलो की बहन है। ग्रीक पौराणिक कथाओं में, माउंट ओलंपस पर रहने वाले 12 मुख्य ओलंपियन पूजनीय हैं। आर्टेमिस उनमें से एक है। महिलाओं की स्वतंत्रता पर जोर देने के बावजूद, आर्टेमिस को चंद्रमा के करीब माना जाता है। आइंस्टीन से लेकर पंडित नेहरू तक, बुद्धिजीवियों, शोधकर्ताओं और लेखकों के बीच कविता का प्रेम हमेशा से ही आकर्षक रहा है।

स्पिनोजा को काव्यात्मक श्रद्धांजलि देने वाले आइंस्टीन और हिंदी कवि निराला से लेकर रॉबर्ट फ्रॉस्ट तक की कई कविताओं को याद करने वाले पंडित नेहरू ने वैज्ञानिकों की काव्यात्मक प्रतिभा और पहले चंद्र मिशन को आगे बढ़ाने वाले अंतरिक्ष यान के नाम 'आर्टेमिस' का प्रतीक था।'पृथ्वी का लव सॉन्ग' गाते हुए वह माहेरा के रास्ते पर जाएंगे। पृथ्वी की कक्षा में प्रवेश करने और प्रशांत महासागर में सुरक्षित रूप से उतरने के बाद, चार आर्टेमिस अंतरिक्ष यात्रियों – रीड वाइसमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन के चेहरों को वह हासिल करने की संतुष्टि होगी जो किसी भी नश्वर इंसान ने कभी हासिल नहीं किया है।

मिशन के सबसे कठिन और जीवन-धमकाने वाले चरणों में से एक नासा के पृथ्वी नियंत्रण केंद्रों और किसी भी अन्य संचार प्रणालियों का पूर्ण वियोग था। लगभग एक चौथाई घंटे में, किसी के पास कोई जवाब नहीं था कि उनके और उनके चार अंतरिक्ष यात्रियों के साथ क्या हुआ था, क्या होने वाला था, और कुछ अप्रिय होने की स्थिति में उन्हें कैसे और कहां खोजा जाए। यह विज्ञान से आता है। उन्नीसवीं सदी के लुई पाश्चर, जिन्होंने एक पागल कुत्ते के मुंह में एक ट्यूब चुभाकर उसकी लार चूसने थे, और एडवर्ड जेनर, जिन्होंने सौ साल तक अपने चरवाहे की देवी से एक परिचित बच्चे के शरीर में मवाद का इंजेक्शन लगाया और लाइलाज बीमारी के साथ प्रयोग किया, और ऐसे कई वैज्ञानिकों के अंधे प्रयोगों के पीछे अंध विज्ञान-विश्वास था। जो इस विज्ञान को सहेजते हैं, वे देश/समाज को आगे बढ़ाते हैं।

हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प, जिनका इस प्रगति से कोई समानता नहीं है, ने अपने नासा मिशन के चार अंतरिक्ष यात्रियों से बात की। इसका कई चैनलों द्वारा सीधा प्रसारण किया गया। जिन लोगों ने इसे देखा होगा, उन्होंने इसमें दिलचस्प विसंगतियों को आसानी से देखा होगा। इस बातचीत में ट्रंप ने चारों अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी पर लौटने पर व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया। यह अवसर विशेष है। राज्य के प्रमुख का यह महसूस करना गलत नहीं है कि वह विश्व विजय प्राप्त करने वाले अपने देशवासियों के सम्मान के अवसर पर अपने ऊपर कुछ विश्व विजेता चिह्न छिड़कने चाहिए। जब मैं व्हाइट हाउस आऊंगा तो मैं आपके हस्ताक्षर चाहता हूं। मुझे आमतौर पर किसी के हस्ताक्षर नहीं मिलते; लेकिन राष्ट्रपति ने अपने अंतरिक्ष यात्रियों से कहा कि आप एक अपवाद हैं, लेकिन ट्रम्प ने यह नहीं पूछा कि व्हाइट हाउस अंतरिक्ष से कैसा दिखता है, या चंद्रमा को देखना कैसा लगता है, और उन्होंने आवश्यक सभ्यता के साथ जवाब दिया। उन्होंने विशेष खुशी के पीछे का कारण भी बताया। तथ्य यह है कि इस समय एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री हमारे साथ है, महत्वपूर्ण था। ट्रंप ने अमेरिका के इस पड़ोसी देश के खिलाफ सख्त आयात शुल्क लगा दिया था। नतीजतन, एक पारंपरिक भागीदार और पड़ोसी देश के साथ अमेरिका के ऐतिहासिक संबंध कड़वे हो गए हैं। लेकिन इस वास्तविकता की परवाह किए बिना, अंतरिक्ष यात्रियों ने कनाडाई अंतरिक्ष यात्री होने के बारे में खुशी व्यक्त की। इतना ही नहीं, बल्कि इसने यह भी बताया कि अंतरिक्ष यान में संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के राष्ट्रीय झंडे कैसे एक-दूसरे के करीब हैं। केवल एक सच्चे लोकतांत्रिक देश के नागरिक ही ऐसा कर सकते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आर्टेमिस अंतरिक्ष यान ऐसे देशों के नागरिकों का इलाज कर रहा है। अंतरिक्ष यात्रा क्या सिखाती है, इस सवाल पर इन अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा दिया गया उत्तर किसी भी बुद्धिमान सज्जन को अभिभूत कर देगा। इस प्रश्न का उनका उत्तर 'विनम्रता' भी उनकी बौद्धिक परिपक्वता को दर्शाता है। एक बार गुरुत्वाकर्षण की सीमाएं पार हो जाती हैं, तो देशों के बीच की सीमाएं धुंधली हो जाती हैं और उन्हें इस ब्रह्मांडीय ब्रह्मांड में अपने खालीपन और हीनता का एहसास होता है। हर कोई इस तथ्य को जानता है कि यह चंद्रमा स्वयं प्रकट नहीं है, सूर्य चमकता है, और हर कोई इस कल्पना को भी जानता है कि ग्रहण सितारों द्वारा शापित है, फिर भी इस चंद्रमा के दर्शन का 'मुहूर्त' अभी भी कई लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। वे प्यार से जोर दे सकते हैं कि वे बैठेंगे और बात करेंगे।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राणा अय्यूब की 'एक्स' पर की गईं पोस्ट आपत्तिजनक : न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पत्रकार राणा अय्यूब की 'एक्स' पर की गई कुछ पोस्ट को बुधवार को बेहद आपत्तिजनक, भड़काऊ और सांप्रदायिक बताया तथा इन्हें हटाने संबंधी याचिका पर उनसे जवाब तलब किया।न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव एक वकील की उस याचिका की सुनवाई कर रहे थे, जिसमें आरोप लगाया गया है कि अय्यूब की पोस्ट से हिंदू देवी-देवताओं और सम्मानित ऐतिहासिक हस्तियों का अपमान हुआ है। न्यायाधीश ने कहा कि इन पोस्ट के संबंध में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का भी निर्देश दिया गया है। अदालत ने केंद्र, दिल्ली पुलिस और 'एक्स' को मिलकर काम करने और 24 घंटे में आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।

अदालत ने कहा, इस मामले को परसों सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए। प्रतिवादी संख्या-चार (अय्यूब) की अत्यंत आपत्तिजनक, भड़काऊ और सांप्रदायिक पोस्ट को देखते हुए कार्रवाई आवश्यक है। संबंधित पोस्ट के आधार पर सक्षम न्यायालय द्वारा प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश भी दिया गया है।अदालत ने यह भी कहा, मामला विचार करने योग्य है।अदालत ने संबंधित याचिका पर केंद्र सरकार, राणा अय्यूब और सोशल मीडिया मंच 'एक्स' को नोटिस जारी किया है। याचिका में अय्यूब के बेहद आपत्तिजनक, भड़काऊ और सांप्रदायिक टवीट को तुरंत हटाने का अनुरोध किया गया है।

अदालत ने दिल्ली पुलिस को भी इस मामले में पक्षकार बनाया है। याचिकाकर्ता अमिता सचदेवा ने कहा कि वह सनातन धर्म को मानती हैं और उनकी शिकायत पर एक मजिस्ट्रेट अदालत ने पहले ही प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया था। अदालत ने माना है कि पत्रकार की पोस्ट में भारतीय दंड संहिता के तहत संज्ञेय अपराध के प्रारंभिक तत्व मौजूद हैं।

याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता ने 'एक्स' के क्षेत्रीय शिकायत अधिकारी और शिकायत समिति से भी इस आपत्तिजनक कंटेंट को हटाने की मांग की, लेकिन समिति ने यह कहते हुए राहत देने से इनकार कर दिया कि मामला अदालत में विचाराधीन है।

याचिकाकर्ता ने बताया कि पोस्ट के सार्वजनिक होने से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और संविधान में निहित उनके मौलिक अधिकारों का हनन हुआ है।

जनवरी 2025 में एक मजिस्ट्रेट अदालत ने दिल्ली पुलिस को अय्यूब के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया था। आरोप है कि 2016-17 में अय्यूब की पोस्ट में हिंदू देवी-देवताओं के अपमान, भारत-विरोधी भावना भड़काने और धार्मिक असहमति पैदा करने के तत्व शामिल थे।

फाइल

बेलगछिया विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार अतिन घोष बुधवार, को कोलकाता में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले अपना नॉमिनेशन पेपर फाइल करते हुए।

'चांद मेरा दिल' का टीजर आउट

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अनन्या पांडे और अभिनेता लक्ष्य जल्द ही दर्शकों के लिए रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'चांद मेरा दिल' लेकर आएंगे। मंगलवार को मेकर्स ने फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है। इस फिल्म में प्यार की खुशियों के साथ-साथ उसकी मुश्किलों और जटिलताओं को भी खूबसूरती से दिखाया गया है। धर्मा प्रोडक्शन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का टीजर जारी किया। उन्होंने लिखा, हर पहली मोहब्बत को दूसरा मौका नहीं मिलता। आइए देखें आरव और चांदनी का प्यार का सफर। 'चांद मेरा दिल' का टीजर जारी कर दिया गया है। 1 मिनट 32 सेकंड का टीजर इंटेंस लव स्टोरी पेश करता है।

इसमें दोनों कलाकार एक-दूसरे के प्यार में पूरी तरह डूबे नजर आ रहे हैं। टीजर की शुरुआत संगीत की धुन से होती है। फिर बैकग्राउंड में लक्ष्य की आवाज आती है, 'प्यार में थोड़ा पागल तो होना ही पड़ता है।' इसके बाद अनन्या और लक्ष्य साथ में नजर आते हैं। दोनों की केमिस्ट्री काफी आकर्षक लगती है। अनन्या बोलती हैं, हमारी लव स्टोरी तो लीजेंड्री बन गई। इस पर लक्ष्य जवाब देते हैं, लीजेंड्री लव स्टोरी की एंडिंग ही तो ट्रैजिक होती है। टीजर आगे बढ़ता है, तो कहानी में अचानक दर्दनाक मोड़ आता है। अनन्या अपने प्यार के लिए तड़पती नजर आती हैं। टीजर में कुछ भावुक पल भी दिखाए गए हैं, जिसने फैंस के मन में फिल्म को लेकर और दिलचस्पी बढ़ा दी है।

चांद मेरा दिल का निर्देशन विवेक सोनी ने किया है और इसकी कहानी राहुल नंदा ने लिखी है। इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म का सह-निर्माण करण जौहर, आदर पूनावाला और अपूर्वा मेहता ने धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया है। फिल्म 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म 'चांद मेरा दिल' में अनन्या और लक्ष्य मुख्य भूमिकाओं में हैं।

यह लक्ष्य की तीसरी बड़ी फिल्म है, जबकि अनन्या पहले भी कई हिट फिल्में कर चुकी हैं। हालांकि, लक्ष्य भी इससे पहले कुछ फिल्मों के जरिए अपने अभिनय का हुनर दिखा चुके हैं। अभिनेता ने इससे पहले 'किल' और आर्यन खान की सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की थी, जिससे उन्होंने काफी चर्चाएं बटोरी थी।

दर्शकों के पास अब पूरी आजादी है कि वे फिल्मी पर्दे चुनें या ओटीटी : कुब्रा सैत

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की दुनिया लगातार बदल रही है। दर्शकों के पास अब विकल्प हैं कि वे किसी कहानी को बड़े पर्दे पर देखें या सीधे अपने फोन या टीवी पर। इस बदलते दौर में अभिनेत्री कुब्रा सैत ने अपने विचार साझा किए हैं, जो फिल्म और ओटीटी के बीच की बहस में नए दृष्टिकोण को सामने लाते हैं। उन्होंने बताया कि कहानी और पात्रों के साथ भावनात्मक जुड़ाव ही सबसे महत्वपूर्ण होता है और माध्यम इस जुड़ाव को प्रभावित नहीं करता। आईएएनएस से बात करते हुए कुब्रा सैत ने कहा, दर्शकों के पास अब पूरी आजादी है कि वे किसी भी माध्यम को चुनें। अगर कहानी दिल को छूती है, तो यह मायने नहीं रखता कि वह फिल्म के पर्दे पर है या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर। असली सवाल यह है कि दर्शक कहानी से कितना जुड़ जाते हैं और उसके किरदारों को कितनी गहराई से महसूस करते हैं।'' जब आईएएनएस ने उनसे पूछा कि फिल्म बनाम ओटीटी में कौन बेहतर है, तो कुब्रा ने कहा, इसमें कोई विजेता या हारने वाला नहीं है। यह बस अलग-अलग माध्यम हैं। दोनों माध्यमों का अपना महत्व है और दर्शक अपने अनुभव के हिसाब से इसे चुनते हैं।

कुब्रा ने कहा, वास्तविक भावनात्मक जुड़ाव ही सबसे महत्वपूर्ण है। चाहे कहानी फिल्मों में हो या ओटीटी पर, दर्शक का अनुभव वही तय करता है कि वे कितने प्रभावित होते हैं। अगर कहानी दिल को छूती है, किरदार सजीव महसूस होते हैं और दर्शक उसमें खुद को जोड़ पाते हैं, तो माध्यम का कोई बड़ा असर नहीं पड़ता।कुब्रा ने सोशल मीडिया के प्रभाव पर भी अपनी राय दी। उन्होंने कहा, ''आज सोशल मीडिया ने अभिनेत्रियों और कलाकारों के लिए बॉडी स्टैंडर्ड्स के दबाव को बढ़ा दिया है। लोग प्लेटफॉर्म को ही दोष देते हैं, जबकि असल में हम खुद को लेकर असुरक्षा महसूस करते हैं। मेरा मानना है कि आत्मविश्वास और खुद पर भरोसा ही असली सुरक्षा है।''उन्होंने कहा, ''मैं अपने शरीर को केवल बेसिक फिटनेस तक सीमित रखती हूं। अगर कोई अन्य व्यक्ति अपने तरीके से फिटनेस या लुक बनाए रखता है, तो यह उसका व्यक्तिगत निर्णय है।

किसी और की तुलना में खुद को आंकना बंद करना चाहिए और अपनी जिंदगी पर ध्यान देना चाहिए। असुरक्षा या सुरक्षा अंदर से आती है, सोशल मीडिया से नहीं।'' उन्होंने कहा कि कलाकारों को सोशल मीडिया या बाहरी दबाव असुरक्षित महसूस करवा सकते हैं, लेकिन अगर वे खुद पर भरोसा रखें तो कोई प्लेटफॉर्म उन्हें कमजोर नहीं कर सकता।

ईरान के राष्ट्रपति ने इस्लामाबाद में शांति वार्ता में तेहरान की भागीदारी की पुष्टि की: शहबाज

इस्लामाबाद/भाषा। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने इस बात की पुष्टि की है कि इस्लामाबाद में अमेरिका के साथ पाकिस्तान की मदद से होने वाली शांति बातचीत में तेहरान हिस्सा लेगा। यह बात प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को कही।शहबाज ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति पेजेशकियन के साथ टेलीफोन पर ''अच्छी और गर्मजोशी भरी'' बातचीत की। यह बातचीत अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते के सशर्त युद्धविराम पर सहमत होने के कुछ घंटों बाद हुई, जिसमें जहाज परिवहन के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलना भी शामिल है। उन्होंने कहा, ''मैंने इस इलाके में शांति वापस लाने के लिए मिलकर काम करने के वास्ते इस हफ़्ते के आख़िर में इस्लामाबाद में शांति वार्ता की मेजबानी करने के पाकिस्तान के प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए ईरानी नेतृत्व की समझदारी की गहन प्रशंसा की।

'भूत बंगला' फिर से तब्बू के साथ काम करने के लिए सही फिल्म: अक्षय कुमार

मुंबई/भाषा

अभिनेता अक्षय कुमार का कहना है कि उनकी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' उनके और अभिनेत्री तब्बू के 25 वर्षों बाद फिर से एक साथ काम करने के लिए सही फिल्म है। अक्षय कुमार और तब्बू ने आखिरी बार निर्देशक प्रियदर्शन की साल 2000 में रिलीज हुई चर्चित फिल्म 'हेरा फेरी' में साथ काम किया था। फिल्म का ट्रेलर जारी होने के दौरान अक्षय कुमार ने संवाददाताओं से कहा, यह फिल्म हम दोनों के लिए सही थी। अब तक हमें साथ काम करने का मौका नहीं मिला क्योंकि वह अपने काम में व्यस्त थीं, मैं अपने काम में व्यस्त था और प्रियन सर भी व्यस्त थे। अब मौका मिला है। सोमवार को मुंबई में आयोजित इस कार्यक्रम में दोनों कलाकारों के साथ निर्देशक प्रियदर्शन, सह-कलाकार परेश रावल और निर्माता एकता कपूर भी मौजूद थे।

अक्षय कुमार ने पुरानी यादें ताजा करते हुए कहा कि वह और तब्बू पिछले लगभग 39 वर्षों से एक-दूसरे को जानते हैं। उन्होंने कहा, वह मेरी बहुत अच्छी और पुरानी मित्र हैं। मैं फिल्म उद्योग में करीब 35 वर्षों से हूं, लेकिन मैं तब्बू को 38-39 वर्षों से जानता हूं। हम दोनों साथ में डांस अकादमी जाया करते थे। इस पर तब्बू ने कहा, हां, ये मुझे बाइक पर लेने आते थे। 'भूत बंगला' एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है, जिसमें एक अजीब लेकिन निडर व्यक्ति की कहानी दिखाई गई है, जो एक शांत शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक रहस्यमयी हवेली में रहता है और परेशानियों में उलझ जाता है। यह फिल्म अक्षय कुमार और प्रियदर्शन को भी 14 वर्षों बाद फिर से साथ ला रही है। अक्षय ने कहा कि प्रियदर्शन के साथ काम करना घर वापसी जैसा महसूस हुआ। उन्होंने कहा, प्रियन सर के साथ काम करना हमेशा अच्छा लगता है। उनकी फिल्में साफ-सुथरी और पारिवारिक होती हैं। लंबे समय बाद तब्बू जी और परेश जी के साथ काम करके भी बहुत खुशी हुई। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से परिस्थितियों से उत्पन्न कॉमेडी करना चाहते थे और प्रियदर्शन ऐसे निर्देशकों में शामिल हैं, जो इस तरह की फिल्में बनाने में माहिर हैं।

अक्षय ने कहा, उनकी किसी भी फिल्म में आपको तर्कहीन चीजें नहीं मिलेंगी। इस फिल्म में फैंटेसी जरूर है, लेकिन दर्शकों को इसे देखने में मजा आएगा। वह और प्रियदर्शन 'हैवान' और 'हेरा फेरी' फ्रेंचाइजी के तीसरे भाग पर भी साथ काम कर रहे हैं। निर्माता एकता कपूर ने कहा कि वह लंबे समय से अक्षय कुमार के साथ काम करना चाहती थीं और उन्होंने एक पुराना किस्सा साझा किया। उन्होंने कहा, जब हमारी पहली फिल्म 'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई दोबारा' सफल नहीं हुई, तो अक्षय सर ने मुझे बुलाकर एक चेक दिया और कहा कि आपको नुकसान हुआ है। मेरे 31 साल के करियर में ऐसा किसी ने नहीं किया। उन्होंने कहा कि बाद में उन्होंने अक्षय कुमार से उनके साथ फिल्म करने का अनुरोध किया और इसी तरह 'भूत बंगला' बनी। इस हॉरर-कॉमेडी में वामिका गब्बी, राजपाल यादव, मिथिला पालकर और राजेश शर्मा भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। बालाजी मोशन पिक्चर्स द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

निरीक्षण

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव बुधवार को जबलपुर के जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय में कृषि मंथन इवेंट के उद्घाटन के दौरान एक एग्रीकल्चर ड्रोन मॉडल का निरीक्षण करते हुए।

'बॉक्सर' का टीज़र रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई दमदार टोन और पावरफुल विजुअल्स के साथ आखिरकार पुलकित सम्राट की वेब सीरीज़ ग्लोरी का टीज़र रिलीज हो चुका है और इसने आते ही लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है। अपने पिछले किरदारों से अलग ग्लोरी में पहली बार बॉक्सर के रूप में, नज़र आ रहे पुलकित सम्राट ने अपने ऑन-स्क्रीन इमेज में एक बड़ा बदलाव किया है। अपने रोमांटिक और कॉमिक किरदारों के लिए पहचाने जाने वाले पुलकित इस बार एक जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन के साथ सामने आए हैं। टीज़र में दर्शकों को उनकी ज़बरदस्त फिजीक के साथ सख्त ट्रेनिंग, इमोशनल पलों और दमदार बॉक्सिंग सीक्वेंसेज़ की झलक देखने को मिली है, जो संघर्ष, जज़्बे और खुद को साबित करने की कहानी की ओर इशारा करती है।अपने किरदार के बारे में बात करते हुए पुलकित ने कहा, मुझे ग्लोरी की दुनिया की सच्चाई ने खींचा, जो कठिन और बेरहम है, लेकिन यही इसे खूबसूरत भी बनाती है।

दरअसल यहां हर जीत मायने रखती है और हर कदम ज़रूरी है। रवि रिएक्ट नहीं करता, वो सब कुछ अपने अंदर समेटता है। वो बाहर से शांत है, लेकिन अंदर आग है उसके और उसका यही संतुलन, उसकी असली ताकत है।

इस किरदार को निभाते हुए मुझे एहसास हुआ कि ग्रेटनेस बार-बार उठकर खड़े होने में है, फिर चाहे कितना भी दर्द क्यों न हो इसलिए चैंपियन वही बनते हैं, जो हर मुश्किल से गुजरते हैं। फिलहाल इस सफर के लिए आभारी हूं और ये तो बस एक झलक है। मोहित शाह और करण अंशुमान द्वारा निर्मित और करण अंशुमान के निर्देशन में बनी सीरीज़ ग्लोरी में पुलकित सम्राट के साथ दिव्येंदु शर्मा और सुविंदर विकी भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिलहाल ग्लोरी के टीज़र को सोशल मीडिया पर शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। फैंस पुलकित के इस नए लुक और उनके डेडिकेशन की जमकर तारीफ कर रहे हैं। कई लोग इसे उनके करियर का सबसे दमदार और अलग अवतार बता रहे हैं, जिससे ग्लोरी को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। अब पुलकित के दर्शकों को इंतज़ार है 1 मई 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने जा रहे इस सीरीज़ का, जहां उन्हें एक ग्रिपिंग और हाई-इम्पैक्ट सिनेमैटिक अनुभव मिलेगा।

'मटका किंग' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों कंटेंट का स्तर तेजी से बदल रहा है और दर्शकों को नई-नई कहानियां देखने को मिल रही हैं। इसी कड़ी में 'मटका किंग' सीरीज काफी चर्चा में है, जिसका ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर सामने आते ही दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ गई है। इसमें 1960 के दशक के मुंबई की कहानी को गहराई से दिखाने की कोशिश की गई है। सीरीज में विजय वर्मा बृज भाटी नाम के व्यक्ति का किरदार निभा रहे है। ट्रेलर में बृज भाटी की दुनिया को विस्तार से दिखाया गया है। वह 1960 के दशक के मुंबई में एक साधारण कपास व्यापारी होता है, जो बेहतर जिंदगी का सपना देखता है। एक आइडिया के जरिए वह 'मटका' जैसे जुए के खेल को एक बड़े स्तर पर ले जाता है। लेकिन जैसे-जैसे उसका दायरा बढ़ता है, वैसे-वैसे उसके सामने मुश्किलें और खतरे भी बढ़ते जाते हैं। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे एक सपना धीरे-धीरे एक बड़े संघर्ष में बदल जाता है। ट्रेलर में कृतिका कामरा, सई ताम्हणकर और गुलशन ग्रोवर के किरदारों की झलक भी दिखाई गई

इस सीरीज में काम करने को लेकर विजय वर्मा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, '''मटका किंग' सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि एक ऐसी यात्रा है जो महत्वाकांक्षा, ताकत और सफलता की असली कीमत को सामने लाती है। इस प्रोजेक्ट पर काम करना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा, लेकिन इसके साथ ही यह काफी चुनौतीपूर्ण भी था। खासतौर पर इसलिए क्योंकि यह कहानी एक अलग दौर में सेट है, जिसे मैंने पहले कभी नहीं निभाया था।''उन्होंने कहा, ''मेरे लिए बृज भाटी के किरदार को जीवंत बनाना आसान नहीं था, क्योंकि इसमें कई परतें हैं और हर भावना को सही तरीके से दिखाना जरूरी था। 'दहाड़' और 'मिर्जापुर' के बाद ऐसे प्रोजेक्ट्स पर काम करना मेरे लिए खास अनुभव रहा।''

विजय ने कहा, ''निर्देशक नागराज मंजुले और अभय कोरान्ने ने मुझे पूरी रचनात्मक आजादी दी। इससे मुझे अपने किरदार को गहराई से समझने और उसे अपने तरीके से पेश करने का मौका मिला। मुझे विश्वास है कि भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के दर्शक इस कहानी से जुड़ाव महसूस करेंगे।''वहीं कृतिका कामरा ने अपने किरदार को लेकर कहा, ''यह मेरे लिए अब तक का सबसे अलग अनुभव रहा। इस किरदार ने मुझे नई चुनौतियां दीं और अपने अभिनय को और बेहतर करने का मौका दिया। हर सीन मेरे लिए सीखने का मौका था, जहां मुझे अपने किरदार की सोच और उसकी मजबूती को समझना पड़ा।''

वहीं बृज भट्टी की पत्नी बरखा का रोल करने वाली एक्ट्रेस सई ताम्हणकर ने कहा, ''पहली नजर में यह एक साधारण गृहिणी का किरदार लगता है, लेकिन असल में यह बहुत मजबूत और स्वतंत्र सोच वाली महिला है। मेरा किरदार अपने पति के पीछे नहीं चलता, बल्कि खुद अपने फैसले लेता है और अपनी अलग पहचान बनाता है। यह रोल मेरे लिए एकदम नया था।''निर्देशक नागराज मंजुले ने इस सीरीज को लेकर कहा, ''यह एक पीरियड ड्रामा फिल्म है। यह एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो अपने सपनों और सम्मान के लिए लड़ता है। हमने सीरीज के हर पहलू पर खास ध्यान दिया है, चाहे वह सेट डिजाइन हो, कपड़े हों या फिर उस दौर का माहौल, हमने हर बारीकी पर काम किया है, ताकि कहानी ज्यादा वास्तविक लगे और दर्शक उससे जुड़ सकें।'''मटका किंग' सीरीज 17 अप्रैल को प्राइम प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है।

टोक्यो में करण जौहर का 'फैन बॉय' मोमेंट, मेरिल स्ट्रीप और ऐनी हैथवे के साथ आए नजर

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर फिल्म निर्देशक करण जौहर फिलहाल जापान की राजधानी टोक्यो की सैर पर हैं। इस यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात हॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्रियों मेरिल स्ट्रीप और ऐनी हैथवे से हुई। करण ने इस मुलाकात की तस्वीर अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। पोस्ट की गई तस्वीरों में करण स्ट्रीप और हैथवे के साथ पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। करण ने अपनी पोस्ट पर बताया कि दोनों सितारे फिलहाल अपनी आने वाली फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' का प्रमोशन कर रहे हैं। साथ ही करण मजाकिया अंदाज में लिखते हैं कि अब ये तस्वीर उनकी वसीयत में शामिल होगी।

निर्देशक ने लिखा, यह कोई साधारण कैप्शन नहीं बल्कि मेरा कबूलनामा है। मैं अकेले ही मेरिल स्ट्रीप की अद्भुत अभिनय कला का बहुत बड़ा दीवाना हूं। उन्होंने कई तरीकों से मुझे अभिनय की कला सिखाई है। वे मेरी गुरु जैसी हैं। करण ने बताया कि उन्होंने फिल्म 'द डेविल वियर प्राडा' को कम से कम 47 बार देखा है। निर्देशक लिखते हैं, मैंने इस फिल्म के डायलॉग्स को डिनर टेबल पर, एडिटिंग रूम में और बोर्ड मीटिंग्स में भी दोहराया है।

सच में इसलिए जब मैं आज मेरिल स्ट्रीप और ऐनी हैथवे के साथ खड़ा हुआ, तो मुझे लगा जैसे जमीन हिल गई हो। मैं बहुत कोशिश कर रहा था कि शांत रहूं लेकिन मेरा दिल बहुत जोर से धड़क रहा था। मेरे घुटने सच में कांप रहे थे।

निर्देशक ने दोनों अभिनेत्रियों की तारीफ की। उन्होंने लिखा, मेरिल स्ट्रीप और ऐनी हैथवे बहुत गर्मजोशी से मिलीं। वे बहुत स्वागतशील रहीं।

यह तस्वीर मेरी वसीयत में जाएगी और हां, अभी और बहुत कुछ आने वाला हैक्योंकि मैंने इस सीजन के अपने पसंदीदा सितारों से बातचीत की। बस, अभी के लिए इतना ही। मेरिल स्ट्रीप और ऐनी हैथवे हॉलीवुड की दो सबसे प्रतिष्ठित और सम्मानित अभिनेत्रियां हैं, जो मुख्य रूप से 2006 की कल्ट फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा' में एक साथ मिरांडा प्रीस्टली और एंडी सैक्स की भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं। यह जोड़ी अपने आगामी सीक्वल, 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' में फिर से साथ आ रही हैं। यह फिल्म 1 मई को रिलीज होगी, जिसमें वे मिरांडा प्रीस्टली और एंडी सैक्स के रूप में अपनी प्रतिष्ठित भूमिकाओं को दोहराएंगी।

जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए जरूरी है उपधान : आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरी

सुशील धाम में शुरू हुआ समर उपधान तप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय पार्श्व सुशीलधाम में समर उपधान तप के प्रारंभ के मौके पर आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने उपस्थित तपस्वियों को संबोधित करते हुए कहा कि उपधान यानी जीवन की वह पाठशाला जहां प्रवचन एवं वाचना द्वारा औचित्य पालन, विनय, विवेक आदि गुणों का थियोरिटिकल कोर्स कराया जाता है और सच्चा श्रावक बनने का प्रेक्टिकल प्रशिक्षण दिया जाता है। सादगी भरा जीवन और व्यस्त दिनचर्या द्वारा आराधक, आत्मा की सच्ची संपत्ति यानी गुणों को विकसित करने में प्रयत्नशील रहते हैं। प्रति वर्ष हजारों आराधक उपधान में जुड़कर जीवन के यादगार क्षणों के साक्षी बनते हैं। उन्होंने कहा कि नमस्कार महामंत्र जैसे महान मंत्र आदि गिनने का वास्तविक अधिकार 47 दिन तक गुरुकुलवास में रहकर तप, आराधना कर गुरुमुख से विधिपूर्वक उपधान करने पर ही प्राप्त होता है, अत: यह प्रत्येक श्रावक का अनिवार्य कर्तव्य है। उपधान द्वारा साधु भगवंतों के सान्निध्य में रहकर साधु जैसा जीवन जीने का प्रशिक्षण प्राप्त होता है। उपधान यानी कुछ दिनों तक घर-परिवार व्यापार-व्यवहार से दूर होकर सीमित संसाधनों के बीच आंतरिक आनंद की अनुभूति करने का अनोखा अनुष्ठान है। साधक के जीवन में ठोस सकारात्मक परिवर्तन लाने में उपधान महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।ङ्कङ्कआचार्यश्री ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भी देखा जाए तो उपधान प्रत्येक उम्र वर्ग के लोगों के लिए फायदेमंद है। बच्चों के लिए बचपन में ही संस्कारों की नींव उपधान द्वारा डाली जा सकती है।

किशोरों एवं युवकों को आज के विलासी वातावरण से दूर कर सदाचार एवं सही समझ द्वारा उन्हें भटकने से बचाया जा सकता है। वयस्कों को भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर तनावमुक्त जीवन जीने का मौका उपधान देता है तो वरिष्ठजनों के लिए सांसारिक संबंधों की ममता और मोह को कम कर अपेक्षारहित जीवन जीने की कला भी उपधान सिखाता है। पर्यावरण के दृष्टिकोण से देखा जाए तो प्राकृतिक जीवनशैली अपनाकर उपधान के आराधक प्रदूषण से होने वाली जीवों की त्रासदी में अपनी हिस्सेदारी समाप्त कर देते हैं।

सृष्टि के तमाम जीवों के जीने के अधिकार का सम्मान जैन धर्म की अहिंसा की अवधारणा में बताया गया है जिसका पालन उपधान द्वारा किया जाता है। ङ्कप्रवचन से पहले बेंगलूरु सहित अलग-अलग शहरों से आए आराधकों की उपधान तप में प्रवेश की विधि कराई गई। समवसरण के प्रतीक नाण के समक्ष साधु, साध्वी, श्रावक,श्राविका रूपी चतुर्विध संघ की साक्षी में आचार्यश्री ने सभी को पापमुक्ति की प्रतिज्ञा दिलवाई। शेष आराधकों का उपधान में प्रवेश शुक्रवार को कराया जाएगा। प्रवेश के मौके पर तीर्थ निर्माता भंवरीबाई घेवरचंद सुराणा परिवार, उपधान तप आयोजक समर उपधान समिति एवं लाभार्थी परिवार के सदस्यों सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उपधान आराधकों का अक्षत से स्वागत कर शुभकामनाएं दी।

जैन मिशन अस्पताल के 3 नए ब्लॉकों का उद्घाटन 12 को

ट्रस्ट के पदाधिकारी तैयारियों में जुटे हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिकबल्लापुर। बेंगलूरु के बाहरी इलाके चिकबल्लापुर में स्थित जैन मिशन अस्पताल के तीन नए ब्लॉकों का लोकार्पण समारोह 12 अप्रैल को अस्पताल परिसर में आयोजित किया जा रहा है। अस्पताल के राकेश कोठारी ने बताया कि इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त लोकायुक्त और सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एन. संतोष हेगड़े होंगे। कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन जीतो अपेक्स के अध्यक्ष पृथ्वीराज कोठारी करेंगे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में चिकबल्लापुर के विधायक प्रदीप ईश्वर, सांसद डॉ के. सुधाकर उपस्थित होंगे। शंकर कैंसर फाउंडेशन के प्रबंध न्यासी डॉ. बीएस श्रीनाथ कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। इसके अलावा कार्यक्रम में जिला कलेक्टर प्रभु, जिला पुलिस अधीक्षक कुशाल चौकसे और जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. महेश कुमार उपस्थित रहेंगे। इस लोकार्पण कार्यक्रम में अस्पताल के तीनों नए ब्लॉक के मुख्य दानदाता लीलादेवी रणजीतमल कानूंगा, भंवरीबाई घेवरचंद सुराणा व दुर्गेश प्रदीप मल्होत्रा उपस्थित होंगे। कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक दिलीप सुराणा और आनंद सुराणा के साथ साथ क्षेत्र के अनेक प्रशासनिक व तहसील के अधिकारी उपस्थित होंगे। ङ्क ज्ञातव्य है कि जैन मिशन अस्पताल चिकबल्लापुर में बहुत ही रियायती दरों पर क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता आ रहा है। उन्हीं सेवाओं का विस्तार करते हुए इन तीन नए ब्लाकों का लोकार्पण किया जा रहा है ताकि लोगों को और अधिक सुविधाओं के साथ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा सकें। जैन मिशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेशकुमार जैन, सचिव उत्तमचंद कोठारी, कोषाध्यक्ष गुलाब पगारिया, उपाध्यक्ष लक्ष्मीचंद भंडारी, सहसचिव मनीष जैन, पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र मरड़िया सहित अंकित जैन, बाबूलाल पोरवाल, लोकेश बी. जैन, हीराचंद साकरिया, शांतिलाल गोटावत, कांतिलाल चोपड़ा, रमेश बंबोली, कपिल सिंघी तथा जैन मिशन अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. नरपत सोलंकी कार्यक्रम की तैयारियों में जुटे हुए हैं ।

'सिकासा' बेंगलूरु की नई कार्यकारिणी समिति का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सदर्न इंडिया चार्टर्ड अकाउंटेंट्स स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एसआईसीएएसए या सिकासा) की वार्षिक साधारण सभा एसआईआरसी बेंगलूरु शाखा की चेयरपर्सन सीए कविता परमेश की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ सिकासा के निवर्तमान चेयरमैन पृथ्वी एम. देव के स्वागत भाषण से हुआ। 'सिकासा' बेंगलूरु के नए चेयरमैन सीए विनोद गर्ग ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को पेशेवर एवं शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कोषाध्यक्ष तरुण ने गत वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। सहसमिति सदस्य सीए रक्षा केएन ने अपने विचार व्यक्त किए। ङ्कइस मौके पर वर्ष 2026-27 के लिए सिकासा बेंगलूरु की नई प्रबंध समिति की घोषणा कर उन्हें शपथ दिलवाई गई। नई कमेटी में चेयरमैन की जिम्मेदारी सीए विनोद गर्ग तथा सुमंत देसाई को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा एमआर काव्याश्री को उपाध्यक्ष, श्रीवत्स आर. भट्ट को कोषाध्यक्ष, सीजीटी सचिव नितीशा दास सहित अनेक सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई। ज्ञातव्य है कि 'सिकासा' चार्टर्ड अकाउंटेंसी के विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

'खागा' व्यापार उत्सव का बम्पर ड्रा 12 को, मंत्री को किया आमंत्रित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक होजरी एवं गारमेंट्स एसोसिएशन(खागा) द्वारा आयोजित 'खागा व्यापार उत्सव' का बम्पर ड्रा रविवार को एफकेसीसीआई आडिटोरियम में शाम 5 बजे से आयोजित किया गया है जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कर्नाटक के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव उपस्थित होंगे। इस बम्पर के अन्तर्गत कार, स्कूटर व लेपटॉप सहित कई अन्य लकी ड्रा निकाले जाएंगे।

खागा के अध्यक्ष प्रकाश भोजानी, संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा, पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता व कार्यकारिणी समिति सदस्य छगनलाल जैन ने गुंडूराव से मुलाकात कर उन्हें कार्यक्रम में आमंत्रित किया।

जीवन में समृद्धि से कहीं अधिक संस्कार और संस्कृति महत्वपूर्ण: आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। बुधवार को केशवापुर स्थित वासुपूज्य नूतन भवन में युवावर्ग की प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि सिर्फ चर्चाएं करने से कुरीतियां या सामाजिक बुराइयां समाप्त नहीं होंगी।उसके लिए युवाओं का संगठित होकर सकारात्मक दिशा में निरंतर प्रयास जरूरी हैं। हर कस्बे और शहर में इसके लिए एक-एक टीम तैयार होनी चाहिए।

उसके बाद उचित-अनुचित व हित-अहित का व्यापक चिंतन-मंथन कर वैचारिक जागृति का कार्य शुरू करना चाहिए। अच्छे और गुणवान लोग ही सामाजिक परिवर्तन व जागरण का शंखनाद कर सकते हैं। जैन समाज के लिए आधुनिक समय संक्रमणकाल है।

घटती जनसंख्या के बीच सोच समझकर अपने आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और सशक्त बनाना सबसे महत्वपूर्ण है। अपनी भाषा, परंपरा, रीति-रिवाज, खानपान, परिधान और व्यवहार को जीवंत रखना बड़ी चुनौती है। जैनाचार्य ने कहा कि नकारात्मक रास्ते पर चलकर सामाजिक परिवर्तन का मुश्किल कार्य सफल नहीं हो सकता। समाज में विश्वास और आम सहमति पाने के लिए ऐसे अभियान से जुड़े लोग बेदाग, समर्पित और निष्पक्ष होने चाहिए। तभी सामाजिक बदलाव का मिशन धारदार बन सकता है। आज जैन समाज में एक व्यापक वैचारिक क्रांति की आवश्यकता है।

धार्मिक-सामाजिक, दोनों क्षेत्रों में कुरीतियां अपने पैर पसारते जा रही हैं। कुशल नेतृत्व और पंच महाजनों की व्यवस्था के अभाव में समाज में अनुशासनहीनता बढ़ती जा रही है।

हम सभी को स्मरण में रखना चाहिए कि रोकटोक के बिना समाज और परिवार कभी सुरक्षित नहीं रहते।ङ्कआचार्यश्री ने कहा कि आने वाले जमाने में वही समाज प्रगति करेगा जो अनुशासित और संगठित रहेगा। जीवन में समृद्धि से कहीं अधिक संस्कार और संस्कृति महत्वपूर्ण हैं। उद्भट वेशभूषाएं, प्रिवेडिंग शूट, व्यसन, पूल पार्टी आदि शादियों में अनेक कुरीतियां प्रवेश कर गई हैं। बदलते परिवेश में बढ़ते आडंबर और दिखावे, समाज के मध्यम व सामान्य वर्ग के साथ सरासर अन्याय है। इन सबको समय रहते रोकने की आवश्यकता है।

परेशानियों और समस्याओं के बाद संभलने का कोई मतलब नहीं है। वक्त से पहले जो जागे वही होनहार है। प्रवचन सभा के बाद परिचर्चा हुई। देव बागरेचा ने जानकारी दी कि गुरुवार को प्रातः आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी, गणि पद्मविमलसागरजी और सहवर्ती साधुगण जीतो द्वारा आयोजित होने जा रहे नवकार महामंत्र के सामूहिक कार्यक्रम में भाग लेने श्रीनिवास गार्डन जाएंगे।

नवकार महामंत्र दिवस की व्यवस्थाओं में जुटी हैं जीतो लेडीज विंग की सदस्याएं

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन(जीतो) नॉर्थ व साउथ द्वारा गुरुवार को आयोजित होने वाले नवकार दिवस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जीतो कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। दोनों चैप्टर्स के सदस्यों ने एकजुट होकर समन्वय और सहयोग की भावना के साथ विस्तृत योजना बनाई। लेडीज विंग नॉर्थ की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना ने सभी का स्वागत करते हुए नवकार महामंत्र दिवस के महत्व एवं लेडीज़ विंग की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला।

साउथ चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने इस आयोजन को एक आध्यात्मिक आंदोलन के रूप में अपनाने का संदेश दिया। अपेक्स संयोजिका बिंदु रायसोनी, मेंटोर सरिता खिंवेसरा, नार्थ उपाध्यक्ष सुमन वेदमुथा, संयोजिका प्रेमा रांका, सहसंयोजिका मधु बलदोटा आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। अंत में रक्षा छाजेड़ ने सभी को धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चुनाव प्रचार

दावणगेरे की दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी समर्थ शामनूर के समर्थन में राजस्थान प्रवासियों की एक बैठक आयोजन किया गया जिसमें एआईसीसी प्रभारी अभिषेक दत्त के निर्देश पर कांग्रेस जिला महासचिव बेंगलूरु निवासी बिशनसिंह वीराना और यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता लक्ष्मणसिंह राजपुरोहित ने दो दिनों तक अभियान चलाकर राजस्थान प्रवासियों से सम्पर्क कर कांग्रेस पार्टी के पक्ष में प्रचार किया।

अलसूर महावीर भवन में जैन धार्मिक व संस्कार शिविर शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के तत्वावधान में बुधवार को जैन श्रावक संघ अलसूर के महावीर भवन में बच्चों में धार्मिक शिक्षण एवं संस्कारों के लिए 10 दिवसीय शिविर प्रारंभ हुआ। इस शिविर में बच्चों को धार्मिक ज्ञानार्जन के साथ आवश्यक संस्कारों का भी परिचय कराया जाएगा।

अलसूर संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा एवं मंत्री अभयकुमार बांठिया ने शिविर का निरीक्षण किया। आशाबाई बोहरा, इंदिराबाई गादिया, राजूबाई बोहरा, सूरजबाई छाजेड़, राजेश्वरी तातेड़, मधु मकाना, दीपा कोठारी शिविर में अध्यापन सेवा दे रही हैं।

'वाणीगोता लीजेंड टीम' बनी भीनमाल बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट की विजेता

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के भीनमाल जैन संघ के तत्वावधान में भीनमाल स्पोर्ट्स कमेटी द्वारा भीनमाल बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट मंगलवार को सम्पन्न हुआ। इस पीएस टेक्स कप में वाणीगोता लीजेंड टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बोहरा ब्लास्टर टीम को हराकर कप पर अपना कब्जा किया तथा बोहरा ब्लास्टर टी ने उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। संघ व कमेटी के सदस्यों ने सभी प्रायोजकों व लाभार्थियों का सम्मान करते हुए धन्यवाद दिया। संघ के विकेश संघवी, कमेटी के अक्षय तलेसरा, रितिक जोशी, वीरम वर्धन, सुजल मेहता आदि सदस्यों ने आयोजन में सहयोग दिया।

देवी उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विद्या विनायक युवक संघ जेसी नगर द्वारा बुधवार को नगर देवता अणम्मा देवी, बंडे महाकाली देवी, सर्कल मारम्मादेवी उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत उपस्थित थे। मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की।आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**